राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

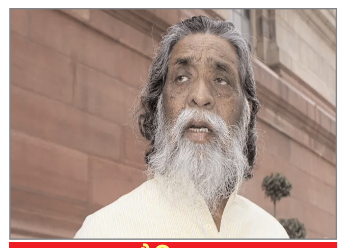

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार , 03 अप्रैल 2026

वर्ष 14, अंक 341, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जमीन कब्जे के विवाद में मारपीट, तीन घायल..03

उपेक्षा की राजनीति के खिलाफ युद्ध की घोषणा..04

IPAC के ठिकानों पर ED की रेड, कोयला तस्करी मामले में जांच एजेंसी का एक्शन

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने IPAC के ठिकानों पर रेड की है. ये छापेमारी पश्चिम बंगाल कोयला तस्करी मामले में हुई है. रेड हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली में हो रही है. बेंगलुरु में ऋषिराज सिंह के ठिकानों पर छापेमारी हुई है. बता दें कि ऋषिराज सिंह कंपनी के को-फाउंडर हैं।

IPAC पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म है. जांच एजेंसी ने इसी साल जनवरी में भी कोलकाता में IPAC के ठिकानों पर रेड की थी. रेड पर कंपनी ने बयान में कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने कोलकाता में IPACके दफ़्तर और हमारे डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर तलाशी ली. IPAC जैसे एक पेशेवर संगठन के लिए यह एक मुश्किल और दुर्भाग्यपूर्ण दिन था।

क्या है कोयला घोटाला जिसके चलते IPACके दफ्तर पर ED ने की रेड?

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने वर्ष 2020 में दर्ज एक एफआईआर के आधार पर अवैध कोयला खनन मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत जांच शुरू की. जांच में सामने आया कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ECL) के लीज़ क्षेत्र से अवैध तरीके से कोयले की खुदाई और चोरी की जा रही थी. यह सब आपराधिक तत्वों द्वारा ECL, CISF, भारतीय रेलवे और अन्य संबंधित विभागों के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से किया गया।

ED की जांच में यह भी सामने आया कि अनुप माजी इस पूरे सिंडिकेट का मास्टर माइंड था, जो ECL क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और चोरी किए गए कोयले के परिवहन का काम कर रहा था. अनुप माजी सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से ECL के लीज़ क्षेत्र से कोयले की हेराफेरी कर रहा था।

जांच में यह भी पाया गया कि अनुप माजी के खिलाफ वर्ष 2000 से 2015 के बीच अवैध कोयला खुदाई और चोरी से जुड़े 16 मामले (एफआईआर) दर्ज हुए थे, जिनमें चार्जशीट भी दाखिल की गई थी. इसके बावजूद, उसके प्रभाव और संरक्षण के चलते स्थानीय पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. हालांकि, वर्ष 2020 में CBI ने कोयला चोरी और तस्करी के मामले में एक नया केस दर्ज किया, जिसके बाद जांच को आगे बढ़ाया गया।

ED की जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अनुप माजी ने अलग-अलग कंपनियों को भेजे गए चोरी के कोयले का हिसाब रखने के लिए कर्मचारियों को तैनात कर रखा था. जांच के दौरान सामने आया कि ECL के लीज़ क्षेत्र

से अवैध खनन और चोरी के जरिए करीब 2,742.32 करोड़ (टैक्स और रॉयल्टी सहित) के कोयले की हेराफेरी की गई।

इसके अलावा, ED ने जनवरी से अप्रैल 2021 के बीच PMLA की धारा 17 के तहत 46 ठिकानों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की. इन छापों के दौरान यह सामने आया कि अनुप माजी का अकाउंटेंट अवैध कोयला खनन से अर्जित अपराध की कमाई का पूरा रिकॉर्ड रखता था. श्वष्ठ ने यह भी बताया कि गुरुपदा माजी ने वर्ष 2017 से 2020 के दौरान अनुप माजी के सहयोगियों के माध्यम से 89.11 करोड़ की अपराध से अर्जित राशि (POC) पहुंचाई, जबकि जयदेव मंडल ने इसी अवधि में 58.05 करोड़ की POC पहुंचाई।

ईडी की जांच में यह भी पता चला कि इस अवैध कोयले का बड़ा हिस्सा शकंभरी ग्रुप ऑफ कंपनियों को बेचा गया. इसके साथ ही मामले में हवाला नेटवर्क से जुड़े अहम सुराग भी मिले हैं. कई लोगों के बयानों और अन्य सबूतों से हवाला लेन-देन की पुष्टि हुई है. जांच में यह सामने आया कि कोयला तस्करी से हासिल काले धन को सफेद करने के लिए एक हवाला ऑपरेटर के जरिए करोड़ों रुपये के लेन-देन किए गए, जिनका संबंध इंडियन पैक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (IPAC) से बताया जा रहा है. IPAC भी उन संस्थाओं में शामिल है, जिनका नाम हवाला मनी से जुड़कर सामने आया है.

रेड पर कंपनी ने क्या कहा था?

कंपनी ने कहा कि हमारा मानना ??है कि इससे गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं और एक परेशान करने वाली मिसाल कायम होती है. इसके बावजूद, हमने पूरा सहयोग दिया है और ज़रूरत पड़ने पर आगे भी ऐसा करते रहेंगे. हम कानून का पूरी तरह से पालन और सम्मान करते हुए इस प्रक्रिया में शामिल रहेंगे.

I-PAC ने अलग-अलग विचारधाराओं और क्षेत्रों की कई राजनीतिक पार्टियों के साथ पेशेवर सलाहकार के तौर पर काम किया है, जिनमें भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम, ङ्क्षस्क्र कांग्रेस पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब BRS), जनता दल (यूनाइटेड), शिवसेना और अन्य पार्टियां शामिल हैं।

ED ने क्या कहा था?

तब ईडी की रेड पर काफी सियासी बवाल हुआ था. ED ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने छापेमारी के दौरान दखल दिया, पुलिस की मदद से डिजिटल डिवाइस और अहम दस्तावेज़ हटा दिए और अधिकारियों को बिना कुछ ज़ब्त किए ही तलाशी रोकने के लिए मजबूर किया।

एजेंसी ने यह भी दावा किया कि कथित कोयला चोरी से मिले लगभग 20 करोड़ रुपये के हवाला फंड IPAC को भेजे गए थे और उसने अदालत से सुरक्षा की मांग की है, जिसमें ज़ब्त किए गए डेटा के साथ छेड़छाड़ से बचाव और उसके अधिकारियों के खिलाफ दर्ज FIR से राहत शामिल है।

ब्लड स्टोरेज और टेस्टिंग में मिलीं गड़बड़ियां, आगरा में स्वास्थ्य विभाग ने पांच चैरिटेबल बैंकों पर लगाई रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

औषधि विभाग की 12 सदस्यीय टीमों ने जिले की 21 ब्लड बैंकों की जांच की। खून के भंडारण, टेस्टिंग, रक्तदान और मरीजों के तीमारदारों से खून लेने और मरीजों के लिए खून देने के अभिलेखों में अनियमितता मिलने पर बुधवार को पांच चैरिटेबल ब्लड बैंक पर रोक लगा दी है। इन ब्लड बैंक से खून संचालन संबंधी कोई भी कार्य नहीं हो सकेगा। सहायक औषधि आयुक्त अतुल उपाध्याय ने बताया कि 29 और 30 मार्च को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) मुख्यालय से भेजी गई 12 सदस्यीय औषधि विभाग की टीम ने शहर और देहात की 21 ब्लड बैंकों की जांच की। टीम ने जांच के दौरान ब्लड बैंक में खून के साथ ही उसके अवयव प्लाज्मा, प्लेटलेट्स के अनिवार्य तापमान पर भंडारण (दो से छह डिग्री सेल्सियस), मानकों के तहत रक्तदान से मिले खून की एचआइवी, हेपेटाइटिस सहित अन्य जांच, तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता, उपकरण संचालन की जांच की गई।

टीम ने ब्लड बैंक से अभिलेख भी लिए, इन अभिलेखों का सत्यापन किया गया। इसमें अनियमितता मिलने पर आगरा चैरिटेबल ब्लड बैंक, नेहरू नगर, जय हिंद चैरिटेबल ब्लड बैंक, सिकंदरा, लाइफ लाइन चैरिटेबल ब्लड बैंक, दिल्ली गेट, श्री बालाजी चैरिटेबल ब्लड सेंटर आगरा पर

प्रतिबंध लगाया गया है। इनके अलावा श्री जगदंबा चैरिटेबल ब्लड बैंक, ट्रांस यमुना कालोनी के खून संचालन संबंधी सभी कार्यों पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही ब्लड बैंक में मिली कमियों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

तीन से पांच हजार सिक्योरिटी मनी जमा करा कर दे देते हैं खून

ब्लड बैंक में रक्तदान से मिलने वाले खून को ऐसे मरीजों के लिए दिया जाना चाहिए जिनके पास रक्तदान करने वाला कोई व्यक्ति नहीं है। मगर, ब्लड बैंक द्वारा जिनके पास रक्तदान करने के लिए कोई व्यक्ति नहीं होता है उनसे तीन से पांच हजार रुपये सिक्योरिटी मनी के नाम पर लेकर खून दे देते हैं। इनसे कहा जाता है कि वे किसी व्यक्ति का रक्तदान करा देंगे तो सिक्योरिटी मनी वापस कर दी जाएगी। अधिकांश लोग खून लेने के बाद रक्तदान करने के लिए नहीं आते हैं, सिक्योरिटी मनी ब्लड बैंक के पास रहती है। ब्लड बैंक सिक्योरिटी मनी का अभिलेखों में उल्लेख भी नहीं करते हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

ईडी की याचिका पर हाई कोर्ट का सख्त रुख, केजरीवाल-सिसोदिया को जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका

दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य को जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया है. ईडी ने इन सभी को आरोपमुक्त करने के निचली अदालत के फैसले में जांच एजेंसियों के खिलाफ टिप्पणी को हटाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है. जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा ने कहा, अगर अब भी जवाब दाखिल नहीं हुए तो ये सभी पक्षकार जवाब दाखिल करने का अपना अधिकार खो देंगे।

इस मामले में बीते दिन अदालत ने समन से जुड़े मामलों में बरी किए जाने के खिलाफ ईडी की याचिका पर केजरीवाल को नोटिस जारी किया. हाई कोर्ट ने बुधवार को केजरीवाल से ईडी की उस याचिका पर उनका पक्ष जानना चाहा था जिसमें आबकारी नीति मामले में समन जारी होने के बाद भी जांच एजेंसी के सामने पेश ना होने के कारण उनके खिलाफ दर्ज 2 अलग-अलग मामलों में उन्हें बरी किए जाने को चुनौती दी गई है।

29 अप्रैल को होगी सुनवाई

कोर्ट ने निचली अदालत के आदेशों के खिलाफ ईडी द्वारा दायर याचिकाओं पर केजरीवाल को नोटिस जारी किया और सुनवाई 29 अप्रैल के लिए तय की. कोर्ट ने कहा, प्रतिवादी ने पहले से सूचना मिलने के बाद भी पेश ना होने का विकल्प चुना. इसको देखते हुए नया नोटिस जारी किया जाए और 29 अप्रैल को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें।

ईडी ने आरोप ये लगाया

उधर, निचली अदालत में ईडी ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने समन पर जानबूझकर अमल नहीं किया और जांच में शामिल नहीं हुए. इतना ही नहीं केजरीवाल ने बेबुनियाद आपत्तियां उठाई. जानबूझकर ऐसी दलीलें दीं जिससे उन्हें जांच में शामिल ना होना पड़े. इससे पहले निचली अदालत ने कहा था कि ईडी यह साबित करने में विफल रही कि अरविंद केजरीवाल ने जानबूझकर जारी हुए समन का उल्लंघन किया।

'अन्य आरोपी केजरीवाल के संपर्क में थे'

ईडी का कहना है कि मामले के अन्य आरोपी दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल के संपर्क में थे. उन्होंने रद्द की जा चुकी आबकारी नीति को तैयार करने में मदद की थी. इसके बदले उन्हें अनुचित लाभ मिला. फिलहाल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल अंतरिम जमानत पर हैं।

ओवरटेकिंग को लेकर हुआ विवाद... देहरादून में रिटायर्ड ब्रिगेडियर की गोली लगने से मौत, मॉर्निंग वॉक के दौरान हुई फायरिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. सोमवार सुबह राजपुर इलाके में ओवरटेकिंग को लेकर दो गाड़ियों के ड्राइवर में विवाद हुआ. इसी बीच, फायरिंग भी की गई. इस दौरान मॉर्निंग वॉक पर निकले एक रिटायर्ड ब्रिगेडियर को गोली लग गई, जिससे उनकी मौत हो गई. यह घटना सुबह लगभग सात बजे कैंटोनमेंट क्षेत्र के पास हुई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना की शुरुआत दो गाड़ियों के बीच ओवरटेकिंग को लेकर हुए मामूली विवाद से हुई थी. दोनों गाड़ियों के ड्राइवर एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई और मामला अचानक हिंसक रूप ले बैठा. एसपी ने बताया कि विवाद इतना बढ़ गया कि एक गाड़ी में सवार

लोगों ने दूसरी गाड़ी पर फायरिंग कर दी. इसी दौरान मॉर्निंग वॉक कर रहे रिटायर्ड ब्रिगेडियर को गोली लग गई. उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की पहचान करने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से अहम सबूत जुटाए हैं. पुलिस की कई टीमें शहर के अलग-अलग हिस्सों में आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं. अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है. लोगों का कहना है कि शहर में सड़क पर होने वाली आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जो चिंता का विषय है. एक स्थानीय निवासी ने बताया कि सुबह-सुबह ऐसी घटना होना बेहद भयावह है और इससे लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फायरिंग करने वाले कौन थे और उनके बीच विवाद की असली वजह क्या थी।

रामनवमी पर गुमला गया था परिवार, रांची में चोरों ने घर को बनाया निशाना, 15 लाख का सामान गायब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झारखंड की राजधानी रांची में इन दिनों अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है. अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं. कहीं दिनदहाड़े हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं, तो कहीं हथियार के बल पर लूटपाट हो रही है. इसी कड़ी में अब एक बड़ी चोरी की घटना ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

ताजा मामला रांची के पंडरा ओपी थाना क्षेत्र के हेसल देवी मंडप रोड स्थित वेस्ट सरोवर नगर का है, जहां अपराधियों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर 15 लाख रुपये से अधिक की चोरी को अंजाम दिया. बताया जा रहा है कि सुजीत कुमार नामक व्यक्ति अपने पूरे परिवार के साथ रामनवमी के अवसर पर गुमला जिले स्थित अपने पैतृक गांव गए हुए थे. इसी दौरान चोरों ने सुनियोजित तरीके से उनके घर को निशाना बनाया।

घर के चार मजबूत ताले तोड़े

चोरों ने घर के चार मजबूत ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और फिर एक-एक कर चार अलमारियों व लॉकर को तोड़ डाला. इन लॉकरों में रखे सोने

के चैन, हार, अंगूठी समेत अन्य कीमती आभूषण, जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है, पर हाथ साफ कर दिया. इसके अलावा घर में रखे लगभग 60 हजार रुपये नकद भी चुरा लिए गए. पूरी वारदात बेहद शातिराना तरीके से अंजाम दी गई, जिससे साफ है कि अपराधियों ने पहले घर की रेकी की थी।

खंगाले जा रहे सीसीटीवी फुटेज

घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा और इसकी सूचना सुजीत कुमार को दी. सूचना मिलते ही परिवार गुमला से रांची लौटा और घर की हालत देखकर सन्न रह गया. मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली डीएसपी और पंडरा ओपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल की जांच कराई और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी।

प्रारंभिक जांच में सीसीटीवी फुटेज में तीन संदिग्धों की तस्वीरें सामने आई हैं. पुलिस उनकी पहचान करने और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है. बताया जा रहा है कि चोरी की यह वारदात उस रात हुई जब रांची में तेज आंधी और बारिश हो रही थी, जिसका फायदा उठाकर अपराधियों ने अपने मंसूबों को अंजाम दिया।

गौरतलब है कि इससे पहले भी बीते एक सप्ताह में बाइक सवार अपराधियों ने शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में स्थित चार पेट्रोल पंपों को निशाना बनाया था. पुनदाग ओपी क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप से 59 हजार रुपये की लूट की गई थी. इसके महज 24 घंटे के भीतर बीआईटी, ओरमांझी और टाटीसिलवे थाना क्षेत्रों के पेट्रोल पंपों से भी करीब ढाई लाख रुपये लूट लिए गए थे।

घर में नमाज पढ़ने से जुड़ी याचिका, HC ने कहा- चालान वापस ले पुलिस; याचिकाकर्ता का भीड़ नहीं जुटाने का वादा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कल बुधवार को नमाज से जुड़े एक मामले का निपटारा कर दिया. बरेली के रहने वाले एक शख्स की ओर से अपने घर में नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर याचिका लगाई गई थी जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि नमाज के नाम पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटाना सही नहीं है. इस पर याचिकाकर्ता ने भी वादा किया कि विवादित स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ नहीं जुटाई जाएगी. साथ ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के अधिकारियों को याचिकाकर्ता तारिक खान और अन्य लोगों के खिलाफ 16 जनवरी, 2026 को जारी किए गए पुलिस चालान को तत्काल वापस लेने का निर्देश भी दिया. तारिक के रिश्तेदार हसन खान की संपत्ति पर नमाज अदा की जा रही थी, जिसके लिए पुलिस ने चालान काट दिया था।

कोर्ट ने अवमानना नोटिस किया रद्द

जस्टिस सरल श्रीवास्तव और जस्टिस गरिमा प्रसाद की बेंच ने 25 मार्च को दिए अपने आदेश में कहा, 'अगर याचिकाकर्ता अपने वादे का उल्लंघन करता है, उसकी संपत्ति पर नमाज अदा करने के लिए बड़ी

संख्या में लोगों को जुटाता है और इस वजह से क्षेत्र में शांति व्यवस्था पर असर पड़ता है, तो अधिकारी कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं.' साथ ही कोर्ट ने बरेली के जिला मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) को जारी अवमानना नोटिस भी रद्द कर दिया. दोनों अधिकारी पिछले महीने 25 मार्च को पूर्व आदेश के अनुपालन में हाईकोर्ट के समक्ष पेश हुए और अपने हलफनामे दाखिल किए।

वादा तोड़े को कार्रवाई करे प्रशासनः HC

इससे पहले हाईकोर्ट ने 11 मार्च के अपने निर्देश के तहत हसीन खान को दी गई सुरक्षा तत्काल वापस लेने का निर्देश दिया था. हसीन ने अपनी याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट से अनुरोध किया था कि उनके परिवार और संपत्ति की सुरक्षा की जाए. अतिरिक्त महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया कि हसीन खान सुरक्षा का दुरुपयोग कर रहा है और उनकी संपत्ति पर रोजाना कम से कम 50 से 60 लोग नमाज अदा कर रहे हैं. उन्होंने इस दावे की पुष्टि के लिए हलफनामों के साथ लगाई गई संपत्ति की कई तस्वीरें भी रिकॉर्ड पर रखीं. उन्होंने आगे कहा कि अगर इस तरह की परंपरा आगे जारी रहने दी गई, तो यह क्षेत्र की शांति-सुव्यवस्था के लिए हानिकारक होगी. उन्होंने अपनी दलील में कहा कि अगर कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना बनती है, तो राज्य अधिकारियों के पास कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

याचिकाकर्ता की सुरक्षा भी वापस

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इन दलीलों को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता के वकील के इस वादे को रिकॉर्ड पर ले लिया कि वे संपत्ति पर नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जुटने नहीं देंगे. बेंच ने यह भी कहा, हमें आशा और विश्वास है कि याचिकाकर्ता अपने वादे का पूरी तरह से पालन करेगा. साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील की इस दलील पर भी ध्यान दिया कि हसीन को अब किसी सुरक्षा की जरुरत नहीं रह गई, जिसका बाद कोर्ट ने राज्य अधिकारियों को याचिकाकर्ता को दी गई सुरक्षा वापस लेने का निर्देश दिया गया. इसके अलावा कोर्ट ने तारिक की ओर से दाखिल रिट याचिका रद्द कर दी।

तीन बुलडोजर, 300 पुलिसकर्मी, ढाई घंटे में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद जमींदोज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। तीन बुलडोजर, तीन सौ पुलिसकर्मी और करीब ढाई घंटे में प्रशासन ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गई मस्जिद को धराशायी कर दिया। बख्शी का तालाब तहसील के अस्ती गांव में सरकारी जमीन पर अवैध तरीके से बनाई गई अवैध मस्जिद को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद प्रशासन ने बुधवार देर रात जमीदोंज कर दिया।

कार्रवाई के दौरान कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच प्रशासन ने वहां आने जाने पर पाबंदी लगा दी थी। प्रशासन का कहना है कि करीब तीन दशक पहले अस्ती गांव में गाटा संख्या 648 खलिहान सुरक्षित भूमि पर अतिक्रमण कर मस्जिद खड़ी कर दी गई थी। इस मामले में बख्शी का तालाब तहसीलदार कोर्ट ने बेदखली का आदेश दिया जिसे एडीएम न्यायिक कोर्ट ने भी कायम रखा और हाई कोर्ट ने भी वैध मानते हुए अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया।

सुरक्षित जमीन पर मस्जिद का निर्माण करने पर बीकेटी तहसीलदार कोर्ट ने 28 फरवरी 2025 को बेदखली के आदेश के साथ 36 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। इस आदेश के खिलाफ मुस्लिम पक्षकार मुहम्मद शाहबान व अन्य ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक की कोर्ट में अपील की थी।

सुनवाई के बाद 31 अक्टूबर 2025 को अपर जिलाधिकारी न्यायिक की कोर्ट ने भी पक्षकारों की अपील खारिज कर दी। बीकेटी तहसीलदार और एडीएम न्यायिक कोर्ट के फैसले को मस्जिद के पक्षकारों ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। 25 मार्च को याचिका पर सुनवाई करते हुए लखनऊ खंडपीठ ने बेदखली के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया, हालांकि तहसीलदार कोर्ट द्वारा लगाए गए जुर्माने को माफ कर दिया था।

इसी आदेश के अनुपालन में तहसील प्रशासन द्वारा मस्जिद बनाने वाले पक्षकार को नोटिस दी गई। जिसके बाद प्रशासन ने बुधवार को अस्ती गांव में खलिहान की भूमि पर बनी मस्जिद हटाने की तैयारी शुरू कर की। शाम से ही गांव के चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस और पीएसी बल की तैनात कर दी गई थी।

देर रात करीब करीब तीन बजे एडीएम वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह, एसडीएम साहिल कुमार, एडीसीपी रिषभ रुण्वाल, एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह और तहसीलदार शरद सिंह की मौजूदगी में तीन बुलडोजर ने अतिक्रमण हटाना शुरू किया। करीब ढाई घंटे तक चले आपरेशन के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण को पूरी तरह ढहा दिया।

कुसंगति त्यागें धर्मबुद्धि जागे जीवन बने उज्ज्वल और संस्कारित

मनुष्य का जीवन संगति से निर्मित होता है। जैसा वातावरण मिलता है वैसा ही मनुष्य का स्वभाव बनता जाता है। प्राचीन नीतिकारों ने स्पष्ट कहा है कि अच्छे और बुरे लोगों का प्रभाव मन पर अवश्य पड़ता है। आम और नीम के उदाहरण से यह बात समझाई गई है कि यदि दोनों के मूल एक साथ जुड़े हों तो मीठा आम भी कड़वाहट ग्रहण कर लेता है। यही स्थिति मनुष्य जीवन में भी देखी जाती है। कुसंगति का प्रभाव धीरे धीरे व्यक्ति के विचारों और आचरण को बदल देता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि मनुष्य अपनी संगति को लेकर सजग रहे और सदैव उत्तम मार्ग का चयन करे।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि बुरे लोगों का प्रभाव जल्दी क्यों पड़ता है और अच्छे लोगों का प्रभाव उतनी तीव्रता से क्यों नहीं पड़ता। इसका कारण मनुष्य की प्रवृत्ति में छिपा हुआ है। बुराई आकर्षक प्रतीत होती है और वह सरल मार्ग का भ्रम देती है। जबकि अच्छाई में अनुशासन और संयम की आवश्यकता होती है। सज्जन का हृदय कोमल होता है इसलिए वह दूसरों के प्रभाव में जल्दी आ सकता है जबकि दुर्जन कठोर होता है और अपने स्वभाव को नहीं छोड़ता। यही कारण है कि सज्जन व्यक्ति को विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका अविवेक है। बाहरी शत्रु उतना नुकसान नहीं पहुंचाता जितना कि गलत निर्णय और गलत संगति पहुंचा देती है। परिवार में भी यदि माता पिता विवेकशील नहीं हैं तो वे अपनी संतान को सही दिशा नहीं दे पाते। आज के समय में यह देखा जा रहा है कि माता पिता अपने बच्चों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने पर तो ध्यान देते हैं लेकिन उनके नैतिक और आध्यात्मिक विकास की ओर उतना ध्यान नहीं देते। परिणामस्वरूप बच्चे भटक जाते हैं और जीवन के सही मार्ग से दूर हो जाते हैं।

संस्कारों का निर्माण बचपन से ही होता है। बालक का मन अत्यंत कोमल होता है। वह जैसा देखता है वैसा ही सीखता है। इसलिए यह आवश्यक है कि उसे अच्छा वातावरण दिया जाए। आज के युग में मनोरंजन के साधनों ने बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव डाला है। यदि इन साधनों का उपयोग सावधानी से नहीं किया गया तो यह बच्चों को गलत दिशा में ले जा सकते हैं। इसलिए माता पिता का यह कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों के व्यवहार पर ध्यान दें और उन्हें सही मार्ग दिखाएं।

एक प्रेरक प्रसंग इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक व्यक्ति जो स्वयं सुन नहीं सकता था वह प्रतिदिन अपने बच्चों को लेकर संतों के प्रवचन में जाता था। जब लोगों ने उससे पूछा कि उसे तो कुछ सुनाई नहीं देता फिर वह क्यों आता है तो उसने उत्तर दिया कि वह अपने बच्चों के संस्कारों के लिए आता है। उसका मानना था कि यदि बच्चे अच्छे संस्कारों से युक्त होंगे तो वे जीवन में सही निर्णय लेंगे और धन का सदुपयोग करेंगे। यह दृष्टिकोण हर माता पिता के लिए प्रेरणादायक है।

परंपराओं का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम अपनी अच्छी परंपराओं को नहीं बचाएंगे तो समाज में नैतिकता का पतन हो जाएगा। नई पीढ़ी को आधुनिकता के साथ साथ संस्कारों का भी ज्ञान होना चाहिए। केवल भौतिक उन्नति से जीवन सफल नहीं होता। नैतिक मूल्यों और धर्मबुद्धि के बिना जीवन अधूरा रह जाता है।

वर्तमान समय में बुराइयों का प्रभाव बढ़ता हुआ दिखाई देता है लेकिन यह सत्य है कि अंततः विजय सत्य की ही होती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि असत्य और अधर्म अधिक समय तक टिक नहीं सकते। इसलिए हमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है बल्कि सजग रहकर समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए।

संगति का प्रभाव इतना गहरा होता है कि वह मनुष्य के जीवन की दिशा बदल सकता है। यदि व्यक्ति बुरे लोगों के संपर्क में रहता है तो वह धीरे धीरे उनके जैसा बनने लगता है। प्रारंभ में यह प्रभाव छोटा होता है लेकिन समय के साथ यह गहरा हो जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने मित्रों और परिचितों का चयन सोच समझकर करें।

एक हास्य प्रसंग के माध्यम से भी यह समझाया गया है कि बुरी आदतें धीरे धीरे विकसित होती हैं। प्रारंभ में वे छोटी लगती हैं लेकिन बाद में वे गंभीर रूप ले लेती हैं। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति को गलत आदत लग जाए तो उसे छोड़ना कठिन हो जाता है। इसलिए शुरुआत में ही सावधानी बरतनी चाहिए।

एक अन्य उदाहरण में बताया गया है कि एक व्यक्ति ने शेर का पालन किया। वह उसे शाकाहारी बनाना चाहता था लेकिन अंततः शेर ने अपने स्वभाव को नहीं छोड़ा। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि स्वभाव और संगति का प्रभाव कितना गहरा होता है। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि बुरे तत्वों के साथ रहकर अच्छा बने रहना अत्यंत कठिन है।

महापुरुषों ने हमेशा कुसंगति से दूर रहने की शिक्षा दी है। उन्होंने कहा है कि बुरे मित्र से अच्छा है कि व्यक्ति अकेला रहे। काजल की कोठरी में जाने से दाग लगना निश्चित है। इसलिए हमें अपने जीवन को पवित्र बनाए रखने के लिए बुरी संगति से बचना चाहिए।

जीवन का प्रत्येक क्षण मूल्यवान है। यदि हम इसे अच्छे कार्यों में लगाते हैं तो हमारे भीतर सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। लेकिन यदि हम इसे व्यर्थ में गंवाते हैं तो यह हमें गलत दिशा में ले जा सकता है। खाली मन में नकारात्मक विचार जल्दी प्रवेश करते हैं इसलिए हमें सदैव व्यस्त और जागरूक रहना चाहिए।

आत्मावलोकन भी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम प्रतिदिन अपने कार्यों और विचारों का विश्लेषण करें तो हम अपनी गलतियों को पहचान सकते हैं और उन्हें सुधार सकते हैं। जो व्यक्ति स्वयं के प्रति सजग होता है वह कभी भी बुराई के प्रभाव में नहीं आता।

अंततः यह कहा जा सकता है कि कुसंगति से बचना और सद्गुणों को अपनाना ही जीवन की सफलता का मूल मंत्र है। हमें स्वयं भी अच्छे मार्ग पर चलना चाहिए और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। जब हम अपने जीवन को प्रकाशमय बनाएंगे तभी समाज और राष्ट्र का कल्याण संभव होगा।

कांतिलाल मांडोत

परंपरा और आधुनिकता के बीच त्रिशंकु बना समाज

वर्तमान समय का मनुष्य एक विचित्र द्वंद्व में जी रहा है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में वह इतनी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है कि उसकी अपनी सनातनी परंपराएँ धीरे-धीरे धुंधलाने लगी हैं। परिणामस्वरूप वह न पूर्णतः आधुनिक बन पाया है, न ही अपने संस्कारों से पूर्णतः जुड़ा रह सका है—वह त्रिशंकु की भाँति दो ध्रुवों के बीच झूलता हुआ एक असंतुलित अस्तित्व बन गया है।भारतीय वैदिक और सनातनी संस्कृति हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है, हमें हमारे 'भारतीय' होने का गहन बोध कराती है। यह संस्कृति केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि मनुष्यता, करुणा, सह-अस्तित्व और जीवन के उच्च आदर्शों की वाहक है। 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसे सूत्र केवल वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन हैं, जो समस्त विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की दृष्टि प्रदान करते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति को अध्यात्म प्रधान कहा गया है—यह भौतिकता से परे आत्मा के उत्कर्ष की बात करती है किन्तु दूसरी ओर, पाश्चात्य संस्कृति ने मानव जीवन को तार्किकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यावहारिकता का नया आयाम दिया है। उसने मनुष्य को प्रश्न करना सिखाया, प्रमाण और तर्क के आधार पर सत्य को परखने की प्रवृत्ति विकसित की। विज्ञान और तकनीक के अद्भुत विकास ने जीवन को सुविधाजनक, सुगम और व्यापक बना दिया है। आज मानव चंद्रमा से आगे बढ़कर सूर्य के रहस्यों को जानने की चेष्टा कर रहा है, और सृजन के नए आयाम खोजते हुए प्रकृति को चुनौती देने का साहस भी दिखा रहा है।

यहीं से द्वंद्व उत्पन्न होता है। एक ओर अध्यात्म की गहराई है, तो दूसरी ओर भौतिकता की व्यापकता। एक ओर परंपरा की स्थिरता है, तो दूसरी ओर आधुनिकता की गतिशीलता। यदि मनुष्य केवल परंपरा से चिपका रहे, तो वह जड़ता का शिकार हो सकता है; और यदि केवल आधुनिकता को अपनाए, तो वह अपनी पहचान और संवेदनाओं से दूर हो सकता है।

आज की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हमने पाश्चात्य संस्कृति के सार को नहीं, बल्कि उसके बाह्य आवरण को अपनाया है। परिणामस्वरूप संयुक्त परिवारों का विघटन हो रहा है, संबंधों में ऊष्मा कम होती जा रही है, बुजुर्गों के प्रति सम्मान घट रहा है और जीवन एक यांत्रिक प्रक्रिया बनता जा रहा है। भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी चाह ने मनुष्य को भीतर से रिक्त कर दिया है। परिवारों में अलगाव, अकेलापन और तनाव की स्थितियाँ बढ़ रही हैं।

फिर भी यह एकांगी दृष्टिकोण नहीं होना चाहिए। पाश्चात्य प्रभाव ने समाज में अनेक सकारात्मक परिवर्तन भी किए हैं। स्त्री सशक्तिकरण इसका प्रमुख उदाहरण है। जो महिलाएँ कभी घर की चारदीवारी तक सीमित थीं, आज वे शिक्षा, व्यवसाय और नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। सामाजिक खुलापन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों की समानता ने समाज को अधिक गतिशील और प्रगतिशील बनाया है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम किसी एक ध्रुव के प्रति अंध-आसक्ति न रखें। न तो अतीत की रूढ़ियों में जकड़े रहें, और न ही आधुनिकता के अंधानुकरण में अपनी पहचान खो दें। विवेक का मार्ग ही यहाँ संतुलन प्रदान कर सकता है। जैसा कि एक संतुलित वीणा के तार ही मधुर संगीत उत्पन्न करते हैं। न अत्यधिक कसाव, न अत्यधिक ढील वैसे ही जीवन में भी परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समन्वय आवश्यक है।

हमें अपनी संस्कृति के उन मूल्यों को संजोकर रखना होगा, जो मानवता को ऊँचा उठाते हैं, और साथ ही पाश्चात्य विचारधारा की उन विशेषताओं को अपनाना होगा, जो जीवन को तार्किक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील बनाती हैं। यही समन्वय हमें त्रिशंकु की स्थिति से निकालकर एक संतुलित, समृद्ध और सार्थक जीवन की ओर ले जा सकता है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन की सफलता न अतीत में पूरी तरह छिपी है, न भविष्य में पूरी तरह निहित है।वह वर्तमान में संतुलन स्थापित करने की कला में निहित है। जो इस संतुलन को साध लेता है, वही सच्चे अर्थों में विकसित और जागरूक मानव बन पाता ।

संजीव ठाकुर

नालंदा के शीतला मंदिर की भगदड़ त्रासदी भीड़ प्रबंधन की विफलता और व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न

बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला मंदिर नालंदा में मंगलवार को घटी भगदड़ की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। धार्मिक आस्था और श्रद्धा के बीच अचानक मची अफरा तफरी ने आठ महिलाओं की जान ले ली और कई अन्य श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं है बल्कि भीड़ प्रबंधन सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की एक बड़ी विफलता के रूप में सामने आई है।

मंदिर परिसर में उस दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार लगभग पंद्रह से बीस हजार लोग मंदिर और मेले के क्षेत्र में मौजूद थे। धार्मिक आयोजन के चलते बड़ी संख्या में महिलाएं और बुजुर्ग दर्शन के लिए पहुंचे थे। भीड़ का दबाव इतना अधिक था कि एक समय पर स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई और भगदड़ मच गई। देखते ही देखते लोग एक दूसरे के ऊपर गिरने लगे और चीख पुकार का माहौल बन गया। इस अफरा तफरी में आठ महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया और मंदिर तथा मेला क्षेत्र को बंद कर दिया गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना पर देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

यह पहली बार नहीं है जब किसी धार्मिक स्थल पर इस तरह की घटना हुई हो। पिछले पांच वर्षों में देश के विभिन्न मंदिरों में भगदड़ की कई घटनाएं सामने आई हैं जिन्होंने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भीड़ अधिक होने के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बनी थी जिसमें कई लोग घायल हुए थे। वर्ष 2022 में जम्मू कश्मीर के वैष्णो देवी मंदिर में नए साल के मौके पर भगदड़ मच गई थी जिसमें कई श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। यह घटना राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी थी और इसके बाद भीड़ नियंत्रण के नए दिशा निर्देश जारी किए गए थे। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश के महाकालेश्वर मंदिर में सावन के दौरान अत्यधिक भीड़ के कारण अफरा तफरी की स्थिति उत्पन्न हुई थी। हालांकि समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया था लेकिन यह स्पष्ट हो गया था कि व्यवस्थाएं अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में भी भारी भीड़ के कारण दबाव की स्थिति बनी थी और कई श्रद्धालु घायल हो गए थे। इन सभी घटनाओं में एक समानता रही है और वह है भीड़ का सही तरीके से प्रबंधन न होना। नालंदा की घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण केवल कागजी योजना तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे जमीन पर प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। जब लाखों श्रद्धालु एक साथ किसी स्थान पर पहुंचते हैं तो वहां सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात करना बैरिकेडिंग की उचित व्यवस्था करना और भीड़ के प्रवेश और निकास के लिए अलग अलग मार्ग सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

स्थानीय लोगों ने भी इस घटना को लेकर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे और सुरक्षा व्यवस्था भी कमजोर थी। यदि समय रहते उचित कदम उठाए जाते तो इस तरह की त्रासदी को टाला जा सकता था। यह आरोप केवल नालंदा तक सीमित नहीं है बल्कि हर उस स्थान पर लागू होता है जहां इस तरह की घटनाएं होती हैं।

धार्मिक आस्था लोगों को एक स्थान पर एकत्रित करती है और यह हमारे समाज की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन जब यही आस्था अव्यवस्था में बदल जाती है तो वह जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि प्रशासन और आयोजन समिति दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं। तकनीक का उपयोग भी इस दिशा में सहायक हो सकता है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भीड़ की निगरानी करना ड्रोन के जरिए स्थिति पर नजर रखना और डिजिटल माध्यम से श्रद्धालुओं की संख्या को नियंत्रित करना जैसे उपाय अपनाए जा सकते हैं। इसके साथ ही लोगों को भी जागरूक करने की आवश्यकता है ताकि वे अनुशासन बनाए रखें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। नालंदा के शीतला मंदिर की यह घटना केवल एक खबर नहीं है बल्कि एक चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी और निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। जरूरत इस बात की है कि हम इस घटना से सबक लें और ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करें जिससे हर श्रद्धालु सुरक्षित तरीके से अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन कर सके। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी समाज की पहचान केवल उसकी आस्था से नहीं बल्कि उसकी व्यवस्था और संवेदनशीलता से भी होती है। यदि हम अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते तो हमारी सारी उपलब्धियां अधूरी हैं। नालंदा की यह त्रासदी हमें यही संदेश देती है कि समय रहते सुधार करना ही सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

कांतिलाल मांडोत

बढ़ती आयु में भी कागज पर लिखते रहें

मैंने फरवरी 2025 में एक लेख लिखा था-'चिट्ठी लिखना बहुत याद आता है'। उस लेख में मैंने पुराने समय की उन भावनाओं को याद किया था, जब हम अपने प्रियजनों को चिट्ठियां लिखते थे और हर शब्द में अपनापन झलकता था। उसी संदर्भ में आज एक दिलचस्प वीडियो देखने को मिला, जिसमें बताया गया कि फाउंटेन पेन उठाकर कागज पर लिखना न केवल एक भावनात्मक अनुभव है, बल्कि हमारे शरीर और विशेष रूप से दिमाग के लिए अत्यंत लाभदायक भी है। एक जानकारी के अनुसार, 2011 से 2019 के बीच जापान के प्रसिद्ध न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. हिरोशी तनाका ने अपने शोध में पाया कि जो बुजुर्ग प्रतिदिन 10-15 मिनट हाथ से लिखते थे, उनमें डिमेंशिया और संज्ञानात्मक गिरावट (ष्ध्द्दठ्ठद्बह्लद्ब1द्ग स्र्द्गष्ध्य्द्बठ्ठद्ग) के लक्षण बहुत कम या न के बराबर दिखाई दिए। संज्ञानात्मक क्षमता का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है-यह न केवल हमारी याददाश्त को प्रभावित करती है, बल्कि हमारे सीखने, निर्णय लेने और नई परिस्थितियों में ढ़लने की क्षमता को भी निर्धारित करती है। इस शोध का एक और रोचक पहलू यह था कि इसमें शामिल लोगों की जीवनशैली एक जैसी नहीं थी। किसी का खान-पान संतुलित था तो किसी का नहीं; कुछ लोग नियमित रूप से व्यायाम करते थे, जबकि कुछ बिल्कुल भी सक्रिय नहीं थे। उनकी नींद की आदतें भी अलग-अलग थीं। लेकिन इन सब भिन्नताओं के बावजूद एक समानता स्पष्ट रूप से सामने आई-वे सभी हाथ से लिखते थे और टाइपिंग या मोबाइल संदेशों पर निर्भर नहीं थे। डॉ. तनाका के अनुसार, लिखना एक साधारण क्रिया नहीं है। यह एक ऐसा अभ्यास है जिसमें प्रयास, ध्यान और उद्देश्य तीनों का समन्वय आवश्यक होता है। जब हम पेन से कागज पर लिखते हैं, तो हर अक्षर हमारे दिमाग को सक्रिय करता है। हम सोचते हैं, शब्दों का चयन करते हैं, उन्हें आकार देते है-और यही पूरी प्रक्रिया हमारे मस्तिष्क के लिए एक प्रभावी व्यायाम बन जाती है। अपने अध्ययन में उन्होंने प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा-एक समूह जो नियमित रूप से टाइप करता था और दूसरा जो हाथ से लिखता था। छह महीने बाद जब दोनों समूहों का मूल्यांकन किया गया, तो यह पाया गया कि हाथ से लिखने वाले लोगों की याददाश्त अधिक तेज और स्पष्ट थी। ब्रेन स्कैन से यह भी स्पष्ट हुआ कि लिखने के दौरान मस्तिष्क के वे हिस्से सक्रिय होते हैं जो गतिशीलता, स्थानिक समझ, भाषा और स्मृति की गहरी प्रोसेसिंग से जुड़े होते हैं। टाइपिंग में यह गहराई अपेक्षाकृत कम होती है। ऐसे लोग न केवल नाम बेहतर याद रखते थे, बल्कि बोलने में भी अधिक सहज और प्रवाहपूर्ण थे। वे नई जानकारी को जल्दी समझकर उसे अपने जीवन में लागू कर लेते थे। उनकी दिनचर्या अधिक व्यवस्थित और कम भ्रमपूर्ण होती थी।

इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि उम्र के साथ याददाश्त का कम होना अनिवार्य नहीं है। कई बार इसका कारण केवल दिमाग का कम उपयोग होता है। हमारा मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है-जितना अधिक हम उसका उपयोग करेंगे, वह उतना ही मजबूत और सक्रिय बना रहेगा। कुछ ही महीने पहले मेरी मुलाकात 97 वर्षीय उद्योगपति लक्ष्मी नारायण झुनझुनवाला जी से हुई। इस आयु में भी वे प्रतिदिन सुबह और शाम तीन-तीन घंटे पढ़ते और लिखते हैं। उनकी डायरी को देखकर उनकी सुंदर और सुस्पष्ट लिखावट ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। वे आज भी समसामयिक विषयों पर पूरी स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ चर्चा करते हैं। हम अपने स्कूल के दिनों को याद करें तो पाएंगे कि जब भी हम किसी शब्द की वर्तनी भूल जाते थे, तो शिक्षक हमें उसे बार-बार लिखने के लिए कहते थे। वास्तव में वही हमारी स्मृति को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां मोबाइल और कंप्यूटर ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं उन्होंने हमारी कुछ अच्छी आदतों को भी पीछे छोड़ दिया है।

आज बच्चे और युवा लिखने की बजाय टाइपिंग पर अधिक निर्भर हो गए हैं। यहां तक कि परीक्षाओं की पद्धति भी धीरे-धीरे बदल रही है। भविष्य में संभव है कि लिखना और भी कम हो जाए। लेकिन इन सबके बीच यह संकल्प लें-रोजाना संकल्प लें-रोजाना आवश्यक है कि हम अपनी लेखनी को कभी बंद न होने दें। तो आइए, आज से ही एक छोटा सा संकल्प लें-रोजाना पेन से कागज पर लिखें।

हनुमान जयंती: भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम

हनुमान जयन्ती का पावन पर्व हिंदू धर्मानुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी उत्सव है। यह दिन भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो शक्ति, भक्ति, निष्ठा और त्याग के प्रतीक हैं। यह पर्व हर वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है, और वर्ष 2026 में यह 2 अप्रैल को है। हनुमान जी का चरित्र अद्भुत है, क्योंकि वे एक ओर असीम बल के स्वामी हैं तो दूसरी ओर विनम्रता की प्रतिमूर्ति। वे शिव के ग्यारहवें रुद्र अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पवन देव के आशीर्वाद से हुआ, इसलिए वे पवनपुत्र कहलाए। उनके जन्म की कथा अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसमें माता अंजना की तपस्या और भगवान शिव का वह अंश समाहित है जो संसार को बुराइयों से मुक्ति दिलाने के लिए अवतरित हुआ। हनुमान जी के बचपन की वह कथा आज भी बच्चों से लेकर वृद्धों तक के मन में रोमांच भर देती है, जब उन्होंने सूर्य देव को एक लाल फल समझकर निगलने का प्रयास किया था। यह घटना उनके उस अदम्य साहस और अलौकिक क्षमता का प्रतीक है, जो सीमाओं से परे है। इंद्र के वज्र प्रहार से उनकी ठुड्डी पर लगी चोट ने उन्हें 'हनुमान' नाम दिया, लेकिन उसी क्षण देवताओं द्वारा मिले वरदानों ने उन्हें अपराजेय बना दिया। ब्रह्मा जी ने उन्हें लंबी आयु का वरदान दिया, तो अग्नि ने उन्हें आग से न जलने का और वरुण ने जल से सुरक्षित रहने का आशीष दिया। ये वरदान केवल व्यक्तिगत सिद्धियाँ नहीं थीं, बल्कि भविष्य में होने वाले धर्म और अधर्म के युद्ध की तैयारी थी। हनुमान जयंती पर जब हम उनके जीवन का स्मरण करते हैं, तो उनकी शिक्षा-दीक्षा का प्रसंग भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने सूर्य देव से वेदों का ज्ञान प्राप्त किया और व्याकरण में इतनी निपुणता हासिल की कि वे 'महाव्याकरण' कहलाए। उनका व्यक्तित्व बल और बुद्धि के विलक्षण समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

रामचरितमानस और रामायण में हनुमान जी की भूमिका एक ऐसे सेतु की तरह है, जो विरक्त को अनुराग से और भक्त को भगवान से जोड़ती है। ऋष्यमूक पर्वत पर जब उनकी भेंट श्री राम से हुई, तो वह मिलन इतिहास का सबसे पवित्र मिलन बन गया। एक साधारण वानर के वेश में वे अपने प्रभु के पास गए, लेकिन राम की पारखी नजरों ने पहचान लिया कि यह कोई साधारण जीव नहीं है। इसके बाद हनुमान जी का पूरा जीवन राममय हो गया। हनुमान जयंती के इस अवसर पर उनके द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का विश्लेषण करना आवश्यक है। समुद्र लांघने की उनकी क्षमता हमें सिखाती है कि यदि आत्मविश्वास दृढ़ हो, तो सौ योजन का विशाल सागर भी छोटा पड़ जाता है। लंका में अशोक वाटिका के भीतर माता सीता की खोज करना और उन्हें प्रभु राम की मुद्रिका देना उनके धैर्य और बुद्धिमानी की पराकाष्ठा थी। उन्होंने लंका दहन के माध्यम से रावण के अहंकार की लंका को भस्म किया, जो यह संदेश देता है कि अधर्म कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, सत्य की एक लौ उसे राख करने के लिए पर्याप्त है। हनुमान जी का 'सुंदरकांड' केवल एक अध्याय नहीं है, बल्कि वह जीवन के हर मोड़ पर हार रहे मनुष्य के लिए विजय का मंत्र है। लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा के लिए जब वे द्रोणागिरि पर्वत उठाने गए, तो वे केवल एक जड़ी-बूटी नहीं लाए, बल्कि उन्होंने सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा के मार्ग पर असंभव शब्द का कोई स्थान नहीं है। यदि औषधि की पहचान नहीं हो सकी, तो उन्होंने पूरे पर्वत को ही उठा लिया—यह उनके निर्णय लेने की क्षमता और कार्य के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाता है।

हनुमान जयंती की पूजा विधि और इसमें निहित प्रतीकों का भी गहरा आध्यात्मिक अर्थ है। भक्त मंदिरों में जाकर हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करते हैं। इसके पीछे वह प्रसिद्ध कथा है जिसमें उन्होंने माता सीता को अपनी मांग में सिंदूर लगाते देखा था और जब उन्हें पता चला कि यह श्री राम की लंबी आयु के लिए है, तो उन्होंने अपने पूरे शरीर पर ही सिंदूर मल लिया। यह निश्छल भक्ति का वह स्वरूप है जहाँ भक्त अपने आराध्य की प्रसन्नता के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर देता है। हनुमान चालीसा का पाठ, जो गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित है, आज दुनिया के कोने-कोने में गूंजता है। इसकी हर पंक्ति में एक विशेष ऊर्जा है। 'भूत पिशाच निकट नहीं आवै' जैसी पंक्तियाँ मनुष्य को अज्ञात भय से मुक्ति दिलाती हैं। हनुमान जयंती पर भंडारों का आयोजन और 'बूंदी के लड्डू' का भोग सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जहाँ समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव रक्षा और सेवा के लिए होना चाहिए। हनुमान जी चाहते तो स्वयं रावण का वध कर सकते थे, उनमें इतनी सामर्थ्य थी, लेकिन उन्होंने सदैव अपने प्रभु की आज्ञा का पालन किया और खुद को एक सेवक के रूप में ही प्रस्तुत किया। उनकी यह विनम्रता आज के आधुनिक युग के लिए एक बहुत बड़ी सीख है, जहाँ थोड़े से अधिकार मिलते ही मनुष्य अहंकार से भर जाता है।

आधुनिक संदर्भ में हनुमान जयंती की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। आज का मनुष्य मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहा है। हनुमान जी का व्यक्तित्व हमें आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाता है। जामवंत जी द्वारा हनुमान जी की सोई हुई शक्ति को याद दिलाना इस बात का प्रतीक है कि हम सबके भीतर अनंत शक्तियाँ छिपी हैं, बस हमें एक सही दिशा और आत्मबोध की आवश्यकता है। हनुमान जयंती पर अखाड़ों में होने वाले आयोजन हमें शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति सचेत करते हैं। वे ब्रह्मचर्य के पालक हैं, जो इंद्रिय निग्रह और मानसिक एकाग्रता का मार्ग है। विद्यार्थी जीवन के लिए हनुमान जी का चरित्र आदर्श है क्योंकि वे एक कुशल वक्ता, चतुर कूटनीतिज्ञ और एकाग्रचित्त साधक हैं। उनकी पूजा करने से व्यक्ति को केवल धार्मिक लाभ नहीं मिलता, बल्कि उसे अनुशासन, समयबद्धता और निष्ठा की भी प्रेरणा मिलती है। हनुमान जी 'अष्टसिद्धि और नवनिधि' के दाता हैं, लेकिन वे ये सिद्धियाँ केवल उसे प्रदान करते हैं जो धर्म के मार्ग पर अडिग रहता है। वे 'चिरंजीवी' हैं, जिसका अर्थ है कि वे हर युग में विद्यमान हैं। ऐसी मान्यता है कि जहाँ भी रामकथा होती है, वहाँ हनुमान जी किसी न किसी रूप में अदृश्य रूप से उपस्थित रहते हैं। यह अटूट विश्वास ही भक्तों को कठिन से कठिन समय में भी संबल प्रदान करता है।

हनुमान जयंती का उत्सव भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है, जो देश की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। उत्तर भारत में जहाँ चैत्र पूर्णिमा का महत्व है, वहीं दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में इसे मार्गशीर्ष माह में मनाया जाता है। तमिलनाडु और केरल में इसे 'हनुमत जयंती' के रूप में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। तिथियों के भेद के बावजूद, भाव एक ही है उस महाशक्ति की वंदना करना जिसने मानवता को सेवा का नया अर्थ दिया। इस दिन मंदिरों को भव्य रूप से सजाया जाता है, प्रभात फेरियाँ निकाली जाती हैं और केसरिया ध्वजों से आकाश पट जाता है। 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठता है। यह पर्व केवल हिंदुओं का नहीं, बल्कि उन सभी का है जो वीरता और सदाचार का सम्मान करते हैं। हनुमान जी का चरित्र संकीर्णताओं से ऊपर उठकर है। वे सुग्रीव जैसे मित्र के प्रति वफादार हैं, विभीषण जैसे शरणागत के रक्षक हैं और श्री राम के अनन्य दास हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि रिश्ते कैसे निभाए जाते हैं और संकट के समय अपनों के साथ कैसे खड़ा रहा जाता है।

निष्कर्षतः, हनुमान जयंती का यह पावन अवसर हमें आत्म-मंथन के लिए प्रेरित करता है। क्या हम अपने भीतर के डर को जीत पा रहे हैं? क्या हम समाज की सेवा के लिए तत्पर हैं? क्या हमारी शक्ति दूसरों की भलाई के लिए प्रयुक्त हो रही है? हनुमान जी का पूरा जीवन 'परोपकाराय पुण्याय' का जीवंत दस्तावेज है। उनकी भक्ति में कोई शर्त नहीं थी, कोई मांग नहीं थी। उन्हें जब विदा करते समय कीमती मोतियों की माला दी गई, तो उन्होंने उन्हें दांतों से तोड़कर फेंक दिया क्योंकि उनमें 'राम' नहीं दिख रहे थे। ऐसी अनन्य भक्ति ही मनुष्य को साधारण से असाधारण और जीव से शिव बनाती है। आज के दौर में जब विश्व अनेक चुनौतियों से घिरा है, हनुमान जी का 'बजरंग' रूप हमें साहस देता है और उनका 'शांत' रूप हमें धैर्य। हनुमान जयंती हमें विश्वास दिलाती है कि यदि हम निष्ठापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहें, तो बाधाएँ चाहे कितनी ही विकट क्यों न हों, विजय अंततः हमारी ही होगी। इस दिन हमें केवल दीये नहीं जलाने चाहिए, बल्कि अपने भीतर के अंधकार को मिटाने का संकल्प लेना चाहिए। भगवान हनुमान की कृपा हम सब पर बनी रहे और हम उनके पदचिह्नों पर चलते हुए एक बेहतर समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकें, यही इस जयंती की सच्ची सार्थकता होगी। अंत में यही कहा जा सकता है कि हनुमान जी की महिमा अपार है, वे बुद्धिमानों में अग्रगण्य हैं, बलवानों में श्रेष्ठ हैं और भक्तों के हृदय में सदैव निवास करने वाले प्राणस्वरूप हैं। उनकी जयन्ती हमें उस शाश्वत सत्य की याद दिलाती रहती है कि ईश्वर के प्रति समर्पण ही वह एकमात्र चाबी है जिससे मोक्ष और सांसारिक सफलता दोनों के द्वार खुलते हैं।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

बड़ी मशीन के बजाय ट्रैक्टर-ट्रॉली पर छोटी मशीन से कर दी गई बोरिंग

लखीमपुर-खीरी। लघु सिंचाई विभाग में मध्यम गहरी व गहरी बोरिंग में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है, जिस पर किसानों ने आवाज उठाई है। किसानों का आरोप है कि जिस फर्म हर्षित इंटरप्राइजेज ने बड़ी मशीन (ट्रक पर) दिखाकर टेंडर पास कराया था, उसने इसके विपरीत छोटी या लोकल मशीनों से बोरिंग कराई।कुछ किसानों ने बताया कि कई स्थानों पर बोरिंग खुद किसानों से ही कराई गई, जबकि कुछ जगहों पर बोरिंग निर्धारित गहराई से कम की गई। किसानों का कहना है कि बड़ी मशीन के बजाय ट्रैक्टर-ट्रॉली पर छोटी मशीन से बोरिंग की गई, जिससे पानी की मात्रा कम मिल रही है।किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में मशीनों के खेल के जरिए जीएसटी की चोरी की गई और बोरिंग की गहराई भी कम रखी गई। इस संबंध में कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद विभाग के जेई और सहायक अभियंता ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे किसानों में यह आशंका है कि अधिकारियों और ठेकेदार के बीच मिलीभगत है, जिसके तहत कम बोरिंग करके अधिक भुगतान लिया जा रहा है।मामले की जानकारी लघु सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को होने पर उन्होंने तत्काल विकासखंड मितौली का निरीक्षण किया, जिसमें कई कमियां पाई गईं। अधिशासी अभियंता द्वारा जल्द ही जेई और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।लखीमपुर ब्लॉक के रामपुर गोकुल गांव में जांच के दौरान 200 फीट के स्थान पर केवल 150 फीट बोरिंग पाई गई, साथ ही किसान के पास अतिरिक्त पाइप भी बरामद हुआ। बेहजम ब्लॉक में 28 मार्च को हुई जांच में भी कम गहराई की बोरिंग और छोटी मशीनों के उपयोग का मामला सामने आया। इससे पहले मितौली ब्लॉक में भी निरीक्षण के दौरान कई बोरिंग में अनियमितताएं पाई गई थीं।

गुमशुदा महिला की सात में दिन क्षतिग्रस्त लाश मिली

बरेली/क्यों लड़ियां थाना क्षेत्र के अंतर्गत सीमावर्ती ग्राम बने केशवपुर के वीरेंद्र द्वारा अपनी मां के गायब होने की गुमशुदागी 27 मार्च 2026 को कर्ज कराई गई थी आज गुम हुई शांति देवी पत्नी स्वर्गीय सुमेरमल 75 वर्ष महिला का सब क्षतिग्रस्त अवस्था में गेहूं वी पॉपुलर के बाग से बरामद हुआ अमृत का के पुत्र द्वारा अवगत कराया गया उनकी मां की दिमागी हालत ठीक नहीं थी उनका काफी खोज भी किया गया वह 26 मार्च से गायब हो गई थी आज उनकी क्षतिग्रस्त सब मेरे ही खेत में मिला है इसकी सूचना पर प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह उप निरीक्षक मुकेश कुमार आदि पुलिस बल मौके पर पहुंचा फील्ड यूनिट की टीम को बुलवाने के बाद पुलिस ने सब पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

बरेली से अमीर नगर गाव नामकरण संस्कार में शामिल होने आए अपने दोस्तों के साथ देवहा नदी में डूब कर युवक की मौत मचा कोरम

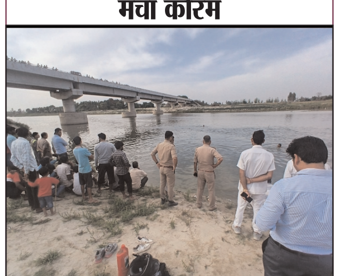

बरेली/क्योलडिया गांव अमीर नगर सुमेर लाल पुत्र पातीराम के घर में नामकरण संस्कार का प्रोग्राम था जिसमें संजय नगर थाना बारादरी जनपद बरेली के चार दोस्त नामकरण संस्कार में शामिल होने आए थे जिसमें एक लड़का रवि कुमार यादव पुत्र रमेश यादव उम्र करीब 20 वर्ष निवासी सैनिक कॉलोनी संजय नगर बरेली अपने सगे भाई मोनू यादव पुत्र रमेश यादव व अन्य दोस्त सोनू शर्मा पुत्र सुनील शर्मा ,शिवम पुत्र बलवीर निवासी संजय नगर के साथ आया था। गर्मी ज्यादा होने के कारण देवहा नदी में नहाने के लिए जैसे ही घुसा पानी गहरा होने के कारण तथा ना तैर पाने के कारण डूब गया शव की तलाश मैं क्षेत्र के गोताखोरों को बुलाकर तलाश जारी की गई जिला पीलीभीत थाना क्षेत्र बरखेड़ा की गोताखोर अमित कुमार इंद्रपाल रोहित कुमार ने नदी के अंदर घुसकर रवि कुमार को बाहर निकाला परिजनों ने उसको उठाकर अपने साथ ले गए नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपने साथ लेकर गए डॉ ने मृत घोषित किया इस दौरान दुष्यंत प्रताप तहसीलदार लेखपाल धर्मेंद्र कुमार थाना प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह।

लगातार सात वर्षों से गन्ना परिषद जेबीगंज के सचिव पद की कुर्सी पर जमें हुये है गजेन्द्र कटियार

● गन्ना विकास परिषद जंगबहादुर गंज में सामान्य निकाय की बैठक हुई संपन्न

खिन्नता के चलते समित उपाध्यक्ष उमा देवी व डायरेक्टर अवनीश शुक्ला रहे अनुपस्थित

बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया को किया गया अनदेखा समिति मे भ्रष्टाचार को लेकर क्षेत्र में हो रही चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी के जंगबहादुर गंज गन्ना विकास परिषद में आज सामान्य निकाय की बैठक का आयोजन किया गया उक्त मीटिंग में अध्यक्ष सहित गन्ना डायरेक्टर और डेलीगेट सम्मिलित हुए। उक्त मीटिंग में पूर्व की परम्पराओं को अनदेखा करते हुए वर्तमान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ साथ कुछ खास मीडियाकर्मियों छोड़कर मीडिया जगत को उक्त मीटिंग की भनक तक नहीं लगी और उन्हें अनदेखा किया गया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस मीटिंग में ऐसा क्या था जो जनप्रतिनिधियों और चुनिंदा मीडिया कर्मियों को छोड़कर सभी क्षेत्रीय मीडिया कर्मियों की अनदेखी की गई। सूत्रों से जानकारी मिली है कि राजनीतिक कृपा से गन्ना विकास परिषद जंगबहादुर गंज में सारे नियमों कानूनों को दरकिनार करके अपने कार्यकाल की लंबी पारी खेल रहे गन्ना विकास परिषद जंगबहादुर गंज के सचिव गजेंद्र कटियार जो कि लगभग 7 वर्षों से जंगबहादुर गंज में गन्ना सचिव पद कार्यरत है, शासन के सरकारी कर्मचारी की 3 वर्ष कार्यकाल की तबादला नीति की धज्जियां उड़ाते हुए जंगबहादुर गंज के गन्ना विकास परिषद के सचिव पद पर जमे हुए है के द्वारा इस प्रकार के कार्यव्यवहार कोई नए नहीं है। मीडिया को जानकारी न देना उसे अनदेखा करना उनकी कार्यशैली बन गई है। अब सवाल यह भी उठता है कि अपने कार्यव्यवहार से जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया की उपेक्षा करने वाले गन्ना विकास परिषद के सचिव पर शासन की तबादला नीति नहीं लागू होती, या फिर सत्ता पक्ष में राजनीतिक रसूख रखने वाले लोगों द्वारा अपने लाभ को लेकर उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है और लगभग 7 वर्ष होने के बाद भी तबादला न होने का अभयदान दिया जा रहा है। अपने राजनीतिक रसूख और अच्छी पैठ के चलते ये गन्ना विकास परिषद जंगबहादुर गंज के सचिव पद पर वर्ष 2018 से कार्यरत सचिव गजेंद्र कटियार शासन की तबादला नीति की धज्जियां उड़ाते हुए अनवरत रूप से गन्ना विकास परिषद जंगबहादुर गंज के सचिव पद पर लंबी पारी खेले जा रहे है। एक लंबी पारी खेलने और राजनीतिक नब्ज पर अपनी पैनी पैठ के चलते क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं मीडिया शायद उनके लिए कोई मायने नहीं रखते और न ही उन्हें बुलाना या जानकारी देना वो उचित समझते है। खैर गन्ना विकास परिषद जंगबहादुर गंज में हुई सामान्य निकाय की बैठक में सर्वागपुर से डेलीगेट सुबोध कांत अवस्थी के द्वारा सोसाइटी कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप प्रत्यारोप लगाने व डायरेक्टरों व अधिसंख्य डेलीगेटों की अनुपस्थित में संपन्न हुई। गन्ना समित उपाध्यक्ष श्रीमती उमा देवी के द्वारा भी मीटिंग को लेकर खिन्नता व्यक्त की गई उनके द्वारा पिछली मीटिंग में पनई चौराहे के पास स्थित बरम्बाबा के स्थान के पास स्थित मोड पर मिट्टी कार्य के लिए कहा गया उक्त कार्य को शीघ्र कराने का आश्वासन भी दिया गया था परंतु उक्त कार्य होने को लेकर एक वर्ष होने के बाद भी अब तक उक्त कार्य नहीं हुआ है। वही समित के एक अन्य डायरेक्टर अवनीश शुक्ला के द्वारा भी गंभीर आरोप लगाया गया कि गन्ना विकास परिषद की बोर्ड की अथवा सामान्य निकाय की बैठक महज खानापूर्ति है हम लोगों से एजेंडे पर कार्य प्रस्ताव तो जरूर लिया जाता है पर कार्य कोई नहीं करवाया जाता। हम लोग मीटिंग में केवल दस्तखत करने तक सीमित है। कई कार्यों को मीटिंग में रखा पर कोई कार्य नहीं होता है, मन करता है डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दूं। कहकर अपनी पीढ़ा बताई। खैर अब देखना है कि उच्चाधिकारी एवं गन्ना समित अध्यक्ष अपने डायरेक्टरों और डेलीगेटों तथा क्षेत्रीय किसानों की पीड़ा को समझते हुए क्या प्रभावी कदम उठाएंगे ये समय ही बताएगा। वहीं समिति मे भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।

पति के आत्म हत्या करने के पश्चात पत्नी को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी, थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में वादी राजकुमार पुत्र हीरालाल नि0ग्रा0 निमचौना थाना महोली जनपद सीतापुर खीरी द्वारा दिये गये प्रा0 पत्र के आधार पर दिनाक 12.11.2025 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 377/2025 धारा 108/352 बी0एन0एस मे आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्तगण 1.पप्पू पुत्र रामेश्वर दयाल उम्र करीब 42 वर्ष निवासी ग्राम नगरासलेमपुर थाना हैदराबाद जिला खीरी 2. नैन्शी पुत्री पप्पू उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम नगरासलेमपुर थाना हैदराबाद जिला खीरी को गिरफ्तार कर न्यायालय खीरी के समक्ष भेजा गया।

राजकुमार के पुत्र प्रदीप कुमार की शादी दिनाँक 13.04.2024 को नैन्सी पुत्री पप्पू नि0ग्रा0 नगरासलेमपुर के साथ हुयी थी, प्रदीप अपनी पत्नी को विदा कराने अपनी ससुराल नगरासलेमपुर गया जहाँ पर अभियुक्तगण 1.पप्पू पुत्र रामेश्वर दयाल उम्र करीब 42 वर्ष निवासी ग्राम नगरासलेमपुर थाना हैदराबाद जिला खीरी 2. नैन्शी पुत्री पप्पू उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम नगरासलेमपुर थाना हैदराबाद जिला खीरी द्वारा प्रदीप को धमकाने व गाली गलौज करते हुए शादी में खर्च हुऐ रूपयों की माँग करने लगे जिससे प्रदीप कुमार ने आहत व भयभीत होकर, धमकाने व शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित होकर ग्राम नगरा सलेमपुर के बाहर 06.09.2025 को आत्म हत्या कर ली, जिसमें अभियुक्तगण 1.पप्पू पुत्र रामेश्वर दयाल उम्र करीब 42 वर्ष निवासी ग्राम नगरासलेमपुर थाना हैदराबाद जिला खीरी 2. नैन्शी पुत्री पप्पू उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम नगरासलेमपुर थाना हैदराबाद जिला खीरी को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय खीरी के समक्ष भेजा गया।

मेहमानी में आया युवक देवहा नदी में नहाने गया गायब

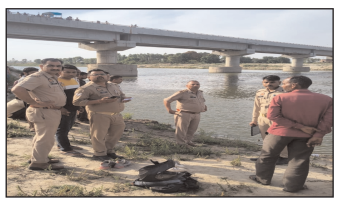

बरेली/क्यों लड़िया थाना क्षेत्र के सीमावर्ती ग्राम अमीर नगर में नामकरण की दावत में आया 19 वर्षीय रवि यादव देवहा नदी में बच्चों के साथ नहाने गया था परंतु वह बाहर नहीं लौटा इसकी सूचना पर गांव में अपना तकरीर मच गई इसकी सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे नहाने गए युवक के कपड़े नदी के पास पड़े हैं परंतु उसका कोई भी सुराग नहीं लग सका है। बताया जाता है रवि यादव बरेली के संजय नगर का निवासी है वह अमीर नगर में अपने साथियों के साथ नामकरण संस्कार में दावत खाने आया था गर्मी से राहत पाने के लिए वह नदी में नहाने चला गया परंतु पानी से बाहर न आने पर सनसनी फैल गई समाचार लिखे जाने तक उसका कोई भी सुराग नहीं लग सका है। मौके पर प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह उप निरीक्षक मुकेश कुमार दीवान नवीन कुमार राजीव कुमार आदि मौके पर उपस्थित थे।

सुल्तानपुर में 'स्कूल चलो अभियान' शुरू

● 3 साल के बच्चों को भी स्कूलों से जोड़ने का लक्ष्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत के साथ ही 'स्कूल चलो अभियान' का शंखनाद हो गया है। प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित न रहे। इस वर्ष अभियान में 3 साल के बच्चों को भी बालवाटिका के माध्यम से स्कूलों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) उपेंद्र गुप्ता ने बताया कि यह अभियान 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इस साल 6 से 14 वर्ष के बच्चों के साथ-साथ बालवाटिका के माध्यम से 3 साल के नन्हें बच्चों को भी स्कूलों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के 'ड्रॉपआउट' को रोकना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और बाल विकास पुष्टाहार विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया है, ताकि बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने में कोई बाधा न आए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि परिषदीय विद्यालयों का स्वरूप अब बदल रहा है। कायाकल्प योजना के तहत स्कूलों को स्मार्ट बनाया गया है। सरकारी स्कूलों में अब स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और पीएम श्री जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो अभिभावकों को निजी स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों की ओर आकर्षित कर रही हैं।

बीएसए उपेंद्र गुप्ता ने यह भी बताया कि दिव्यांग बच्चों और कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं सहित हर वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल और अभ्युदय जैसे नए प्रोजेक्ट्स भी तैयार हो रहे हैं, जिससे इस बार बच्चों का नामांकन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

गौकशी के आरोपियों से मुठभेड़, क के पैर में लगी गोली

● तीन गिरफ्तार, दो तमंचे बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- गोसाईगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस ने गौकशी के एक मामले में तीन आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। इस दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर भेजा गया है। पुलिस को मंगलवार रात सूचना मिली थी कि तीन संदिग्ध व्यक्ति एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर क्षेत्र से गुजर रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम सक्रिय हुई और इटकौली जंगल के पास उनकी घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार, घेराबंदी कड़ी होने पर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी की पहचान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के सिरवारा शरीकपुर निवासी अफरोज के रूप में हुई है। अफरोज के साथ पकड़े गए अन्य दो आरोपियों की पहचान गोसाईगंज के सिरवारा निवासी मो. गुलफाम उर्फ मो. इमरान और फतेहपुर संगत निवासी आजाद के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद करने का दावा किया है। मौके से प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी कब्जे में लिया

गया है। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि ये तीनों आरोपी गौकशी के एक प्रकरण में वांछित थे। अफरोज पर पहले से 11 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि गुलफाम पर भी दो मुकदमे दर्ज हैं। घायल अफरोज का इलाज सीएचसी जयसिंहपुर में जारी है और पुलिस मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

पिपरिया गांव में भीषण आग, घर का सामान जलकर खाक

मितौली तहसील के अंतर्गत ग्राम पिपरिया में अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते घर में रखा सामान जलकर राख हो गया।बताया जा रहा है कि पीड़ित पुत्तू लाल उस समय घर पर मौजूद नहीं थे, वे रोजगार के सिलसिले में राजस्थान गए हुए हैं। घर में मौजूद परिजनों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

जमीन कब्जे के विवाद में मारपीट, तीन घायल

● लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से हमला, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही-खीरी। थाना क्षेत्र के नौरंगाबाद गांव में जमीन कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट की इस घटना में तीन लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बुधवार को दी गई तहरीर के अनुसार नौरंगाबाद निवासी सर्वेश कुमार मिश्रा पुत्र कमलाकांत अपने खरीदे गए मकान की साफ-सफाई करने के लिए सुबह करीब 9:30 बजे अपने भतीजे अभिषेक और पुत्र शिवांश के साथ पहुंचे थे। इसी दौरान विपक्षी पक्ष के पुष्पा देवी, कलावती, राममूर्ति, प्रेमा, पिंकी, खूबलाल, सुनीता, अनीता, कैलाश, रमदेई, नन्हकी व ध्रुव कुमार यादव समेत अन्य लोग मौके पर पहुंच गए और जमीन को लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सभी आरोपियों ने एकजुट होकर लाठी-डंडों, धारदार हथियारों, असलहों व ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में सर्वेश मिश्रा और उनके भतीजे अभिषेक के चेहरे पर चोटें आईं, जबकि पुत्र शिवांश का हाथ गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद घायलों ने थाना सिंगाही पहुंचकर तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रारंभिक स्तर पर कार्रवाई में सुस्ती देखे जाने पर मामला सीओ निघासन के संज्ञान में लाया गया। सीओ के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया। सीओ निघासन शिवम कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन के आदेश बेअसर, भू माफ़िया ने पूनः किया खलिहान और आबादी की जमीन पर कब्जा

● तहसील प्रशासन क्यों नहीं लिखवा रहा भू माफ़िया के विरूद्ध एफ आई आर

बेखौफ। भू-माफिया ने लेखपाल को खिला पिलाकर लगवा दिए सरकारी जमीन पर धान-आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मामला गोला तहसील क्षेत्र के परगना कुकुरा के ग्राम हर दुआ का है जहां पर दबंग हौसले बुलंद भू माफ़िया लालजी उर्फ़ गुड्डु पुत्र दीन दयाल ने शासन प्रशासन के आदेशों को खुली चुनौती देते हुए खलिहान और आबादी की जमीन गाटा संख्या 152 पर अवैध कब्जा करके धान और गन्ना की फसल खड़ी कर तहसील प्रशासन को खुली चुनौती पेश कर दी।इस भू माफ़िया को जिले की तेज तर्रार जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की सख्ती का जरा सा भी खौफ नहीं है शायद। इस खेल में क्षेत्रीय लेखपाल की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि पैमाइश करने गए लेखपाल शैलेन्द्र वर्मा को पैमाइश के दौरान सरकारी जमीन पर लगभग 4,बीघा से ज्यादा जमीन पर अतिक्रमण मिला लकिन सेटिंग के चलते लेखपाल ने उक्त जमीन को खाली कराने की बजाय सड़क के किनारे बने गड्ढों को जुटवाकर शासन प्रशासन की आंख में धूल झोंकने का काम कर अपने चाहते दोस्त लालजी प्रसाद उर्फ़ गुड्डु को संरक्षण प्रदान कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि लेखपाल सहाब इसके बंगले में बैठकर चाय ठंडा तोड़ते हैं इसलिए वह जानबूझकर उक्त भू माफ़िया को संरक्षण दे रहे हैं।

यहां पर सबसे अहम बात यह है कि जब तहसील दार गोला ने इसका अवैध कब्जा जमीन पर खड़ी फसल नष्ट कराकर हटवा दिया था तो फिर इसने किसकी शह पर फिर से कब्जा कर धान की फसल वो दी ?लोगों ने लेखपाल पर मिलीभगत होने के आरोप लगाये हैं।मामले की पूनःशिकायत मिलने पर तहसील दार गोला भीम चंद ने लेखपाल को भेजकर मामले की रिपोर्ट देने के आदेश दिए।मौके का मुआयना और पैमाइश करने गए लेखपाल को नाप के समय खलिहान आबादी की जमीनें पर अवैध कब्जा मिला। सूत्र बताते हैं कि लगभग 4 बीघा ज्यादा जमीन जोत रखी है इस भू माफ़िया लालजी उर्फ़ गुड्डु ने उक्त अवैध कब्जा वाली जमीन पर लालजी उर्फ़ गुड्डु ने धान और गन्ने की

फसल उगा रखी है। लेखपाल द्वारा उक्त फसल को बचाने के लिये सड़क के किनारे पडी गड्ढों की जमीन को जोतवा कर भू माफिया को क्लीन चिट दे दी और अपने उच्चाधिकारियों की आँखों में धूल झोंक दी ऐसा आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि जब लेखपाल और प्रधान मिलकर सरकारी जमीनों पर करवायेंगे अवैध कब्जा तो यह जमीनें कैसे होगी अवैध कब्जा मुक्त इस संबंध में लेखपाल शैलेन्द्र साहब से जानकारी लेने का प्रयास किया तो साहिब के बिगड़े बोल कि मैं ऐसे जानकारी नहीं दे पाऊँगा तहसील आकर बात करो।

तहसील दार गोला भीम चंद ने बताया मामला सज्ञान में आया है और लेखपाल से रिपोर्ट मांगी गई है। दोषी लालजी उर्फ़ गुड्डु पर रिपोर्ट लिखाने की बात पर साहब बोले हर मामले में रिपोर्ट ही विकल्प नहीं है।

राजश्री कालेज के इंजीनियरिंग छात्र-छात्राओं ने किया "यूनिकन्वर्ज टेक्नोलॉजीस, नोएडा" का शैक्षिक भ्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। राजश्री इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी, बरेली के बी0 टेक0 कम्प्यूटर साइंस, इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन, इलैक्ट्रिकल एण्ड इलैक्ट्रॉनिक्स पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् छात्र- छात्राओं ने'यूनिकन्वर्ज टेक्नोलॉजीज प्रा0 लि0, नोयडा' का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने कंपनी का संचालन, प्रौद्यौगिकियों और नवाचारों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि इंटरनेट ऑफ थिंक्स, डेटा साइंस और मशीन लर्निंग पर आधारित संस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट्स की बारीकियों को सीखने तथा जनरेटिव आर्टिफीशियल इन्टेलिजेन्स और एजेंटिक आर्टिफीशियल इन्टेलिजेन्स पर नवाचार को प्रोजेक्ट्स में लागू करने के लिये यह भ्रमण बेहद लाभकारी है। कम्पनी के निदेशक कौशलेन्द्र सिंह सिसोदिया ने छात्र-छात्राओं को आई0ओ0 टी0 और ए0 आई0 लैब का दौरा कराया ताकि वे वास्तविक कार्य शैली को देख सकें। राजश्री संस्थान में अध्ययनरत वेदान्त चौबे, मोहित यादव, कार्तिक गंगवार, आकाशी गुप्ता एवं स्नेहा भारती छात्र-छात्राओं ने कम्पनी में आयोजित वर्कशॉप में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाया।

परीक्षाफल वितरण, विदाई समारोह हुआ

बरेली। पूर्व माध्यमिक विद्यालय नवीनगर में बुधवार को आठवीं के छात्र छात्राओं को परीक्षाफल वितरण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रेनू गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।नवीन छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। छात्र -छात्राओं ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। परीक्षाफल के दौरान प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरण किया गया ।इस मौके पर ग्राम प्रधानपति सलीम शाह,इफ़्फ़त महमूद ,मनोहर लाल सागर, आभा सक्सेना, रिचा सक्सेना, रितु बलवीर सिंह, एसएमसी अध्यक्ष वेसा देवी सहित गवर्नमेंट हाई स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

गोला के ऐतिहासिक मेला चैती को भव्यता देने के लिए पालिकाध्यक्ष को बधाई, बद्री प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। छोटी काशी के ऐतिहासिक मेला चैती के चतुर्थ दिवस सांस्कृतिक मंच पर सांस्कृतिक विभाग उत्तर प्रदेश के लोक गायको के भजनों एवं लोक नृत्य का हुआ आयोजन। छोटी काशी का ऐतिहासिक मेला चैती के चतुर्थ दिवस सांस्कृतिक मंच पर लोक गायको के भजनों एवं लोक नृत्य द्वारा भजन संध्या में मुख्य अतिथि नगर पंचायत निघासन अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य, कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व नगर पालिका परिषद सभासद देवीदयाल वर्मा, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधानसभा प्रभारी गोला दयाशंकर मौर्य, समाजसेवी दिलीप जायसवाल, विजय आनंद, व्यापारी विमलेश गुप्ता, ललित शर्मा, समाजसेवी राजेश तिवारी, चेयरमैन निघासन प्रतिनिधि विपिन मौर्य एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर पुष्प मालाओं से स्वागत करते हुए कार्यक्रम में गरिमामय उपस्थिति के लिये आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत निघासन अध्यक्ष बद्री प्रसाद मौर्य ने कहा,' छोटी काशी गोला के ऐतिहासिक मेला चैती को भव्यता देने के लिए पालिकाध्यक्ष को बधाई देता हूँ आज का कार्यक्रम भारतीय संस्कृति, सभ्यता,भारतीय शैली के साथ स्वच्छ मनोरंजन देना वाला था। विशिष्ट अतिथि दयाशंकर मौर्य ने कहा,' ऐतिहासिक मेला चैती में आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने आभार व्यक्त करते हुए कहा,'चैती मेरा भारतीय संस्कृति, हमारी जीवनशैली, और परम्पराओं का है जिसे संयोजने, समारने और सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूँ। सांस्कृतिक विभाग उत्तर प्रदेश के कलाकारों नें कार्यक्रम का शुभारंभ लोकनृत्य, हमार दिसवा सोने की चिरैया ,गीत पर समूह नृत्य। रेलियां बैरन पिया को लिए जाए रे, गीत पर समूह नृत्य। इसके बाद लोकगायक सतीश तिवारी ने ,हे शंभू इच्छा तिहारी, द्वार तुम्हारे आए हैं। गाकर शमा बांध दिया। लोकगायिका निरी मुस्कान ने, सासु पनिया कैसे जाऊ रसीले दोनों नैना, पटना से वायदा बुलाएदा, नजरा ग़ैले गुया। , सैया मिले लरकईया मै का

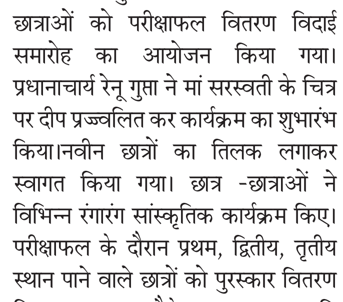

करु।

विशाल एवं काजल कनौजिया ने शिव पार्वती की सुंदर सी झांकी प्रस्तुत की। इसके बाद सेजल साहू, अंशी कश्यप, आरजू शर्मा, नेहा कश्यप, नव्या श्रीवास्तव, अंशिका वर्मा, जाह्नवी मिश्रा ने ,काहू दिन उठी गौ मेरो हाथ बलम तोहे ऐसों मारूंगी, गीत पर लोकनृत्य की शानदार प्रस्तुति दी विशाल ने लोकनृत्य-चाहे बिक जाए हरो रुमाल, बैठूंगी मोटर कार में, अंत में कलाकारों ने शक्ति आराधना-आई गिरि नंदिनी नंद तमेदिनी, से समापन किया। सांस्कृतिक विभाग उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने भारतीय संस्कृति, भारतीय परम्परा, भारतीय शैली तथा भारतीय सभ्यता में कार्यक्रमों द्वारा सामाजिक जागरण का संदेश दिया । इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में अधेड़ व्यक्ति घायल

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे शोहरतगढ़- बढ़नी के बानगंगा नदी पुल के निकट बुधवार शाम को किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से एक व्यक्ति घायल होकर सड़क किनारे पड़ा हुआ था। घटना की सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच कर घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ पर भर्ती कराया। घायल व्यक्ति की समाचार लिखे जाने तक पहचान नहीं हो सकी थी, इलाज अस्पताल में चल रहा है।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदनशाह मोहल्ला निवासी लईक खां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 मार्च की रात करीब 9.26 बजे उन्होंने अपनी डीलक्स मोटरसाइकिल (नंबर यू.पी. 94 यू 3262) को के.के. नर्सिंग होम के पीछे नहर के पास खड़ा किया था। करीब एक घंटे बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बाइक वहां से गायब थी। काफी तलाश के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पीड़ित ने आशंका जताई है कि अज्ञात चोर उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक व उसके पुत्र से मारपीट

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र में गाली-गलौज का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। दबंगों ने युवक और उसके पुत्र के साथ मारपीट कर दी तथा घर पर पथराव कर तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला नेहरू नगर निवासी सुखनंदन विश्वकर्मा ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 मार्च की रात करीब 8 बजे वह अपने पुत्र नरेंद्र के साथ मजदूरी कर घर लौटे थे। इसी दौरान मोहल्ले के ही अलग उर्फ छोटू, आकाश, रामसेवक और पुन्नू एकराय होकर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने सुखनंदन को जमीन पर पटककर लात-घूंसों से मारपीट की, जिससे उन्हें कई चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनके घर पर ईंट-पत्थर फेंककर तोड़फोड़ भी की। घटना के दौरान उनके पुत्र नरेंद्र के साथ भी हाथापाई हुई, जिसमें छत से गिरने के कारण दोनों को चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित ने अपने पुत्र का इलाज जिला अस्पताल में कराया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी आए दिन धमकी देते रहते हैं। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 352, 115(2), 351(3) व 324(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओबरा तापीय परियोजना गेट पर 22 सूत्री मांगों को लेकर बिजली कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

ओबरा/ सोनभद्र- उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के आह्वान पर ओबरा तापीय विद्युत परियोजना में आंदोलन के प्रथम चरण की शुरुआत की गई। अपनी 22 सूत्रीय मांगों के समर्थन में परियोजना के कर्मचारियों और पदाधिकारियों ने विरोध का एक अनोखा तरीका अपनाया। परियोजना के सीटीपीएस (CTPS) गेट और परियोजना अस्पताल सहित जनपद के विभिन्न कार्यस्थलों पर सभी कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। खास बात यह रही कि विरोध के बावजूद कर्मचारियों ने कार्य का बहिष्कार नहीं किया और पूरी निष्ठा के साथ अपने-अपने कार्यस्थलों पर डटे रहे। कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य करते हुए प्रबंधन और सरकार तक अपनी बात पहुँचाने का प्रयास किया। मुख्य रूप से ओबरा सीटीपीएस गेट और परियोजना चिकित्सालय में व्यापक असर देखा गया। कर्मचारी संघ की 22 सूत्रीय मांगें लंबित हैं, जिन्हें लेकर यह चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है। इस विरोध प्रदर्शन में संघ के प्रमुख पदाधिकारियों सहित सैकड़ों साथियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य रूप से निम्नलिखित सदस्य सक्रिय नजर आए।

उपेक्षा की राजनीति के खिलाफ युद्ध की घोषणा

● एआईयूडीएफ उम्मीदवार अनुप कुमार दास तालुकदार ने जीत के लक्ष्य के साथ जोरदार तैयारी में जुटे।

रामकृष्णनगर में त्रिपक्षीय संघर्ष के स्पष्ट संकेत।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के चुनावी मैदान में इस बार नए राजनीतिक समीकरण के संकेत देते हुए अनुप कुमार दास तालुकदार ने दमदार एंट्री की है। लंबे समय तक इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड में जनरल मैनेजर के पद पर कार्य करने के बाद उन्होंने जनसेवा के उद्देश्य से सक्रिय राजनीति में कदम रखा। इंडियन नेशनल कांग्रेस से जुड़े रहने के बावजूद, 2026 के विधानसभा चुनाव में टिकट न मिलने पर उन्होंने आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया। वर्तमान में वे जीत के लक्ष्य के साथ जोरदार तैयारी में जुटे हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान अनुप कुमार दास तालुकदार के स्वर में तीखा विरोध और असंतोष झलकता है। उन्होंने सीधे भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पूरे घाटी क्षेत्र में लंबे समय से कायवर्त समाज की उपेक्षा और अपमान किया गया है। इसी के विरोध में उन्होंने एआईयूडीएफ का दामन थामते हुए 'समाज और देश के विकास की लड़ाई' लड़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने एक विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई बुनियादी वैचारिक अंतर नहीं है। उनके शब्दों में, 'दिन में कांग्रेस, रात में भाजपा असल में दोनों एक ही जड़ से जुड़े हैं। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। इसके अलावा, उन्होंने भाजपा प्रत्याशी विजय मालाकार की नागरिकता को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'एक संदिग्ध नागरिक को उम्मीदवार बनाने में इतनी दिलचस्पी क्यों? क्या इस क्षेत्र में योग्य और शिक्षित लोगों की कमी है?' इस टिप्पणी के जरिए उन्होंने सत्ताधारी दल की उम्मीदवार चयन प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव और ईमानदारी की छवि को सामने रखते हुए अनुप कुमार दास तालुकदार ने रामकृष्णनगर के मतदाताओं से समर्थन और सहयोग की अपील की है। उनका मानना है कि जनता अब 'वादों की राजनीति' और 'जमीनी हकीकत' के बीच का अंतर समझने लगी है। कुल मिलाकर, रामकृष्णनगर में इस बार इंडियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के संकेत साफ नजर आ रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अनुपबाबू की आक्रामक रणनीति चुनावी समीकरण को नया मोड़ दे सकती है। अब मतदाता का निर्णय अंतिम समीकरण तय करेगा, और राजनीतिक दलों की रणनीति का असली असर जनता की पसंद में ही देखा जाएगा।

हनुमान जयंती पर मांस-मछली व शराब की दुकानों को बंद रखने की मांग

श्रद्धालुओं ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, धार्मिक भावनाओं का रखा हवाला

ललितपुर। आगामी 2 अप्रैल 2026 को मनाई जाने वाली हनुमान जयंती के मद्देनजर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर मनीष कुमार विश्वकर्मा को सौंपकर जनपद में मांस, मछली एवं मदिरा की दुकानों को बंद रखने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि हनुमान जयंती का पर्व पूरे देश में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। इस दिन बड़ी संख्या में भक्त मंदिरों में दर्शन-पूजन करते हैं तथा विभिन्न स्थानों पर शोभायात्राएं भी निकाली जाती हैं। ऐसे में धार्मिक भावनाओं और पर्व की पवित्रता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि इस दिन मांस और मछली की दुकानें बंद रहें। इसके साथ ही कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से शराब की दुकानों को भी पूर्ण रूप से बंद रखने की मांग की गई है। श्रद्धालुओं का कहना है कि इस निर्णय से समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहेगा और त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न होगा। ज्ञापन देने वालों में मानव ऑर्गेनाइजेशन से पुष्पेन्द्र सिंह चौहान एड., पत्रकार अमित पाण्डेय, शेरसिंह यादव एड., आकाश कुमार झां एड., विकास झां एड., पत्रकार अमित लखेरा के अलावा अनेकों श्रद्धालुओं के हस्ताक्षर अंकित बताये गये हैं।

रामकृष्णनगर में बीजेपी में बड़ा विभाजन, सैकड़ों पुरुष और महिलाएं कांग्रेस में शामिल

● चुनाव से पहले सत्तारूढ़ पार्टी को बड़ा झटका।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर क्षेत्र में चुनाव से पहले सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। एक साथ सैकड़ों पुरुष और महिला बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़कर इंडियन नेशनल कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया। इस घटनाक्रम से राजनीतिक हलकों में तेज हलचल मच गई है। गत सोमवार को कांग्रेस उम्मीदवार सुरुचि राय की उपस्थिति में औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय विधायक विजय मालाकार के करीबी कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं के तानाशाही तथा अधिनायकवादी रवैये के कारण वे लंबे समय से उपेक्षित महसूस कर रहे थे। उनका कहना है कि कई बार इस मुद्दे को विधायक के संज्ञान में लाया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। दलबदल करने वालों के अनुसार, 'सत्तारूढ़ दल की इस तानाशाही और अधिनायकवादी कार्यशैली को हम अब और सहन नहीं कर सकते। इसलिए मजबूर होकर हमने यह निर्णय लिया। जहां सामान्य कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की कोई अहमियत नहीं है, वहां बने रहने का कोई अर्थ नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस में शामिल होने के बाद वे आगामी दिनों में पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में काम करेंगे और आम जनता के हित में संघर्ष जारी रखेंगे। गौरतलब है कि यह सामूहिक दलबदल रामकृष्णनगर क्षेत्र के दुल्लभछड़ा जीपी के वार्ड नंबर 7, मोकामछड़ा इलाके में हुआ। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस घटना से हिंदू वोट बैंक में संभावित विभाजन के संकेत मिल रहे हैं, जो चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है। दलबदल करने वालों का नेतृत्व राहुल चौहान, रंजीत पाल, मनोज कानू, शिव शंकर ग्वाला, संतोष कानू (गुड्डू), प्रदीप राय, प्रणय नाथ, अनुप नाथ सहित अन्य स्थानीय पुरुष और महिला ने योगदान क्या।

खजनी-गोरखपुर मार्ग पर हादसों व जाम से राहत की मांग, जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी-गोरखपुर मार्ग पर लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं, टोल बचाने के कारण लगने वाले जाम और बाढ़ प्रभावित गांवों में बिजली आपूर्ति की समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात की। इस दौरान धुवहा ग्राम प्रधान रमेश सिंह, हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष श्याम मोहन उपाध्याय तथा भाजपा उनवल मंडल युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष अमन सिंह ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि खजनी-गोरखपुर मार्ग पर भारी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। टोल टैक्स बचाने के लिए बड़ी संख्या में ट्रक और अन्य भारी वाहन इस मार्ग का उपयोग करते हैं, जो तेज रफ्तार में चलते हैं। इससे आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें कई परिवार प्रभावित हो चुके हैं। जनप्रतिनिधियों ने मांग की कि इस मार्ग पर सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाते हुए इसे 'नो एंट्री जोन' घोषित किया जाए।

उन्होंने यह भी बताया कि अवैध रूप से चल रहे इन भारी वाहनों के कारण सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है, जबकि आम जनता घंटों जाम में फंसकर परेशान रहती है। मरीज, छात्र, कर्मचारी और मजदूर–सभी को इस समस्या का सामना करना पड़ता है। बिजली आपूर्ति के मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र के कई गांव बाढ़ प्रभावित हैं और वर्तमान में विद्युत लाइन खेतों और जलभराव वाले क्षेत्रों से होकर गुजरती है। इससे मंझरिया, विनैका, रेकसानारा, छताई और कटघर जैसे गांवों में बाढ़ के समय बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। साथ ही शॉर्ट सर्किट के कारण खेतों में खड़ी फसलों में आग लगने की घटनाएं भी सामने आती हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने जैतपुर से छताई तक सड़क मार्ग के किनारे विद्युत आपूर्ति लाइन स्थापित कराने की मांग रखी।इसके अतिरिक्त ग्राम प्रधान रमेश सिंह ने छताई पुल के पास स्थित मंदिर में बिजली व्यवस्था, ग्राम सभा में बहुउद्देशीय भवन निर्माण, मुख्य सड़क से आमी नदी तक नाला निर्माण और आंतरिक सड़कों के निर्माण की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया।

24 घंटे बाद सरयू में मिला किशोर का शव, घर में मचा कोहराम, गोला पुलिस ने भेजा पोस्टमार्टम, SDRF की कड़ी मशक्कत के बाद मिला शव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के सरयू तट स्थित गोड़ियाना घाट पर नहाने के दौरान डूबे 17 वर्षीय किशोर प्रिंस शुक्ला का शव करीब 24 घंटे बाद बरामद होने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एसडीआरएफ टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को उस स्थान से लगभग आधा किलोमीटर दूर खोज निकाला, जहां वह डूबा था। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव का माहौल गमगीन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रिंस शुक्ला पुत्र संतोष शुक्ला मंगलवार को अपने दोस्तों के साथ नउवाबाबा की कुटी के पास सरयू नदी में स्नान करने गया था। इसी दौरान तेज बहाव के कारण वह अचानक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते लापता हो गया। साथियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जुटे और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही गोला पुलिस और तहसील प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। एसडीआरएफ के एसआई निसार अहमद के नेतृत्व में टीम ने मंगलवार शाम करीब सवा पांच बजे से ही नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। तेज बहाव और गहराई के कारण रेस्क्यू अभियान काफी चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी और लगातार तलाश जारी रखी। करीब 24 घंटे बाद बुधवार को दोबारा शुरू किए गए अभियान में टीम को सफलता मिली और किशोर का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना पाकर दिल्ली में रह रहे पिता संतोष शुक्ला तत्काल घर पहुंच गए, जबकि हिमाचल प्रदेश में रह रहे दादा राधेश्याम भी गांव के लिए रवाना हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि प्रिंस अपने परिवार में सबसे छोटा था और हाल ही में उसने हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। उसकी असमय मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। हर कोई इस दर्दनाक घटना से स्तब्ध है। शव मिलने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में ले लिया। हालांकि परिजन पोस्टमार्टम नहीं कराने की मांग कर रहे थे, लेकिन थाना प्रभारी राकेश रौशन सिंह ने स्पष्ट किया कि कानूनी प्रक्रिया के तहत पोस्टमार्टम कराना अनिवार्य है। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खजनी में सनसनी: पोखरे से मिला कंकाल, कपड़ों से हुई मंदबुद्धि युवक नासिर की पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर। जनपद के गीडा थाना क्षेत्र स्थित खानीपुर गांव में बुधवार (01 अप्रैल 2026) को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक पोखरे में अज्ञात व्यक्ति का कंकाल बरामद हुआ। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। शुरुआती जांच में मिले कपड़ों के आधार पर कंकाल की पहचान नासिर नामक युवक के रूप में की गई, जो मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नासिर की गुमशुदगी की रिपोर्ट करीब डेढ़ महीने पहले, 15 फरवरी 2026 को थाने में दर्ज कराई गई थी। यह रिपोर्ट अमर सिंह पुत्र स्व. प्रहलाद सिंह, निवासी खानीपुर द्वारा दर्ज कराई गई थी, जिनके यहां नासिर काम करता था। गुमशुदगी के बाद से ही परिजन और स्थानीय लोग उसकी तलाश में जुटे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका था। बुधवार को गांव के कुछ लोग जब पोखरे के पास पहुंचे तो उन्हें पानी में कंकाल जैसी आकृति दिखाई दी। पास जाकर देखने पर मामला संदिग्ध लगा, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कंकाल के पास मिले कपड़ों से उसकी पहचान नासिर के रूप में हुई है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम हेतु बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। इस घटना से पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नासिर शांत स्वभाव का था और गांव में ही मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता था। उसकी अचानक गुमशुदगी और अब इस तरह कंकाल के रूप में मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है, ताकि इस रहस्यमयी मौत की सच्चाई सामने लाई जा सके।

धार्मिक कार्यक्रम के दौरान महिला की सोने की चेन चोरी

ललितपुर। शहर में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान महिला की सोने की चेन चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला आजादपुरा निवासी संगीता जैन 14 मार्च को एक धार्मिक अवसर पर स्टेट बैंक के पास मोबाइल दुकान के सामने आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके गले से सोने की चेन पार कर दी। पीड़िता ने काफी तलाश की, लेकिन चेन का कोई सुराग नहीं लग सका। जानकारी करने पर यह भी सामने आया कि कार्यक्रम में शामिल अन्य महिलाओं की चेन भी चोरी हुई है। घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में जांच कर रही है और संदिग्धों की तलाश जारी है।

श्री महावीरी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर रामचरितमानस पाठ

●-भंडारे का आयोजन आज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना नगर स्थित श्री महावीरी मंदिर में श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य रूप से श्री रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका विनय जायसवाल द्वारा विधिवत पूजन के साथ किया गया। इस दौरान उनके साथ कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी पूजा-अर्चना में भाग लिया, जिससे मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्री राम एवं हनुमान जी से नगर की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। यह धार्मिक आयोजन न केवल आस्था का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को भी मजबूत करने का माध्यम साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन 2 अप्रैल 2026 को भव्य भंडारे के साथ किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर पुजारी गौरी शंकर, लाटा, दीपक त्रिपाठी, विवेक अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, जयप्रकाश वर्मा, वासु चौरसिया, पिंकू वर्मा, दीपक वर्मा, श्याम वर्मा, आदित्य गुप्ता, विराट त्रिपाठी, आलोक गुप्ता, कपिल चौबे, विवेक उपाध्याय, प्रमोद गोयल, सुमित गुप्ता, मनीष गुप्ता, अक्षय वर्मा, संजय गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, शंभू चौरसिया, बंटी गुप्ता, हर्ष मोदनवाल, विकास अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खेत में घुसी भैंस को लेकर विवाद

लाठी-डंडों व धारदार हथियार से हमला

ललितपुर। खेत में भैंस घुसने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दबंगों ने युवक पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना तालबेहट क्षेत्र के ग्राम बिजरौठा मजरा दिदौरा निवासी वृषभान ने शिकायत दर्ज कराई है कि 30 मार्च की शाम करीब 6 बजे वह अपने खेत में काम कर रहा था। तभी गांव के ही रामप्रसाद ने अपनी भैंसें उसके खेत में छोड़ दीं, जिससे फसल चरने लगी। वृषभान द्वारा भैंसों को खेत से भगाने पर रामप्रसाद, किशोरी, बृजेश और हरिओम एकजुट होकर लाठी-डंडों व हथियार लेकर पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने वृषभान के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे रिश्तेदार को भी पीट दिया गया। आरोप है कि एक आरोपी ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वृषभान को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 352 व 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संचारी रोगों से बचाव पूरी तरह संभव: सीडीओ

●विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने बुधवार को पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान (1 से 30 अप्रैल) तथा 11 से 30 अप्रैल तक चलने वाले दस्तक अभियान की जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट, नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने रैली निकालकर लोगों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि संचारी रोगों से बचाव पूरी तरह संभव है, इसके लिए साफ-सफाई और जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां मच्छरों के काटने से फैलती हैं, इसलिए लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए और जलभराव नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के तहत एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग, नाला-नालियों की सफाई, तालाब और पोखरों के आसपास झाड़ियों की सफाई तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही ग्राम पंचायतों, नगर पालिका और नगर पंचायतों के वार्डों में साफ-सफाई, कचरा निस्तारण, जलभराव रोकने और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग है तथा कुल 13 विभाग मिलकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग कर रहे हैं। इस दौरान एसीएम डॉ. एस.के. सिन्हा, नोडल अधिकारी डॉ. हरेंद्र, डीटीओ डॉ. राजेश कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. विपिन रंजन, जिला मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी लालबचन चौधरी, सीफार संस्था के जिला प्रतिनिधि नीरज ओझा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम पर आधारित सामान्य ज्ञान की पुस्तिका का विमोचन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। ब्लॉक संसाधन केन्द्र बार में ग्राम प्रधान एवं अध्यापकों की कार्यशाला में शिक्षक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रधानाध्यापक डा.हेमंत तिवारी द्वारा लिखित बेसिक शिक्षा परिषद की पाठ्यक्रम पर आधारित सामान्य ज्ञान की पुस्तिका का विमोचन खंड शिक्षा अधिकारी शैलजा व्यास ब्लॉक प्रमुख गुणमाला राजपूत एवं ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष शेरसिंह यादव के विशिष्ट अतिथ्य में किया गया। बीईओ शैलजा व्यास ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं नई-नई तकनीक के प्रयोग होने से बच्चों को रुचिकर ढंग से पढ़ने के सीखने के अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा में तकनीकी का समावेश तो आवश्यक है लेकिन पुस्तकों का स्थान कोई तकनीकी नहीं ले सकती। विशिष्ट अतिथि शेरसिंह यादव ने कहा कि जिस प्रकार इस पुस्तिका में मानचित्रों का प्रयोग कर सरल तरीके से उत्तर प्रदेश के मंडल जनपद एवं देश-विदेश की विभिन्न जानकारियों को संकलित किया गया है वह छात्रों के लिए काफी उपयोगी है।

शिक्षक मोर्चा जिलाध्यक्ष डा.हेमंत तिवारी ने कहा सामान्य ज्ञान की यह पुस्तिका परिषदीय विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने का प्रयास है, जिसका संशोधित संकरण संस्करण शीघ्र ही तैयार कर जनपद स्तर पर विमोचित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी तीन बार जनपद स्तर की सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता कराकर राज्य स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से जनपद के विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने का कार्य उनके माध्यम से किया गया है। इस वर्ष भी इन पुस्तकों के प्रकाशन के उपरांत जनपद स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के आयोजन की योजना है। इस दौरान अपूर्वा विशाल नायक, आजाद वर्मा, राजेंद्र यादव, उदयभान सिंह, विशाल गुप्ता, अखिलेश श्रीवास्तव, अरविंद राजपूत, राजेंद्र सेंगर, शिवप्रकाश राजोरिया, सुखदेवी, सैमी, फरजाना, ज्योति कई शिक्षक शिक्षिकाएं एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।